▪ फाल्गुन शुक्ल - 4 ▪ संवत 2080 ▪ वर्ष - 11 ▪ अंक - 228 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 14-03-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 कांग्रेस एवं सपा बोझ, इन्हें स्वीकार न करिए : योगी

6 क्यों पड़ी भाजपा व जजपा गठबंधन में दरार ?

7 बाइडन और ट्रंप एक बार फिर राष्ट्रपति पद के चुनाव में आमने-सामने

जल्द ही सेमीकंडक्टर क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बनेगा भारत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

धोलेरा/गुवाहाटी/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को भारत में 1.25 लाख करोड़ रुपए की लागत वाले तीन सेमीकंडक्टर केंद्रों की आधारशिला रखी, जिनमें असम के मोरीगांव में 27 हजार करोड़ रुपए के खर्च पर बनने वाला केंद्र भी शामिल है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश सेमीकंडक्टर क्षेत्र में बड़ी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि वह दिन दूर नहीं जब देश इस क्षेत्र में एक वैश्विक शक्ति बन जाएगा।

गुजरात और असम में तीन सेमीकंडक्टर केंद्रों की ऑनलाइन माध्यम से आधारशिला रखने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाली पिछली सरकारों पर देश की क्षमता, प्राथमिकताओं और भविष्य की जरूरतों को नहीं समझने तथा भारत के सेमीकंडक्टर सपनों को वास्तविकता में बदलने में विफल रहने का आरोप लगाया। इन तीन सेमीकंडक्टर केंद्रों में दो गुजरात में और एक असम में है।

मोदी ने देश को सेमीकंडक्टर विनिर्माण का केंद्र बनाने की अपनी सरकार की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए कहा कि जब भारत वादा करता है, तो उसे पूरा भी करता है। उन्होंने कहा कि चिप विनिर्माण असीम संभावनाओं के साथ विकास का द्वार खोलता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, दो साल पहले, हमने एक सेमीकंडक्टर मिशन का ऐलान किया था और घोषणा की थी कि हम पहल करेंगे। कुछ ही महीनों में हमने 'एमओयू' पर हस्ताक्षर किए और आज हम तीन परियोजनाओं का शिलान्यास कर रहे हैं। भारत वादा करता है, तो उसे भी पूरा करता है...। उन्होंने कहा कि भारत सेमीकंडक्टर विनिर्माण में पहले ही दशकों पीछे है, लेकिन अब एक भी पल नहीं गंवाएगा।

प्रतिक्रियाओं की समीक्षा के बाद एक साथ चुनाव पर लेंगे निर्णय : सीईसी

जम्मू/भाषा। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बुधवार को यहां कहा कि निर्वाचन आयोग जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा स्थिति की समीक्षा और हितधारकों से मिली प्रतिक्रिया के बाद लोकसभा व विधानसभा चुनाव एक साथ या अलग-अलग कराने पर फैसला करेगा।

कुमार ने केंद्र शासित प्रदेश में विधानसभा चुनाव कराने में 'विलंब' को लेकर हो रही आलोचना को भी खारिज किया और कहा कि परिसीमन व आवश्यक विधायी प्रक्रियाएं दिसंबर 2023 तक ही पूरी हुई हैं।

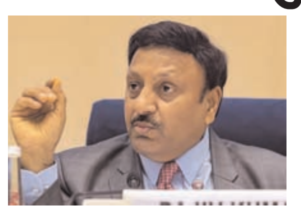

आगामी संसदीय चुनावों की तैयारियों का आकलन करने के लिए जम्मू-कश्मीर के अपने तीन दिवसीय दौरे की समाप्ति से पहले उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जरूरी प्रक्रियाएं दिसंबर 2023 में पूरी हुईं और अभी मार्च का महीना है। हम अपनी जिम्मेदारियों को जानते हैं और जल्द ही चुनाव कराए जाएंगे।''

उन्होंने कहा कि आयोग ने आगामी लोकसभा चुनावों के साथ-साथ विधानसभा चुनाव कराने पर राजनीतिक दलों, सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन सहित सभी हितधारकों से प्रतिक्रियाएं ली हैं।

कुमार ने कहा, ''हमने दोनों चुनाव एक साथ कराने और एक के बाद एक चुनाव कराने जैसी परिस्थितियों की समीक्षा की। हम सुरक्षा स्थिति और प्रतिक्रियाओं की समीक्षा के बाद फैसला करेंगे।''

आम चुनाव : भाजपा की दूसरी सूची जारी

72 प्रत्याशियों में गडकरी, पीयूष गोयल समेत तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शोभा करंदलाजे बेंगलूरु उत्तर, पीसी मोहन बेंगलूरु मध्य और तेजस्वी सूर्या बेंगलूरु दक्षिण से

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए 72 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी कर दी जिसमें केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, पीयूष गोयल और अनुराग सिंह ठाकुर तथा हरियाणा के मनोहर लाल खट्टर सहित तीन पूर्व मुख्यमंत्रियों के नाम शामिल हैं।

पार्टी ने दो पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री रमेश पोखरियाल निशंक और सदानंद गौड़ा के टिकट काट दिए हैं।

भाजपा द्वारा जारी दूसरी सूची के अनुसार गडकरी और ठाकुर क्रमश: महाराष्ट्र के नागपुर और हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर से चुनाव लड़ेंगे जबकि खट्टर हरियाणा के करनाल और गोयल मुंबई उत्तर से लोकसभा चुनाव में पदार्पण करेंगे। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई हावेरी से और उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत हरिद्वार से चुनाव लड़ेंगे।

भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या एक बार फिर बेंगलूरु दक्षिण से चुनाव लड़ेंगें जबकि केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे को उडुपी चिकमंगलूर सीट से हटाकर बेंगलूरु उत्तर सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री सदानंद गौड़ा इस सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे थे।

पूर्ववर्ती मैसूर शाही परिवार के यदुवीर कृष्णदत्त वाडियार ने मैसूर से प्रताप सिम्हा की जगह ली है। हाल ही में संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले दो युवकों को सिम्हा की सिफारिश पर लोकसभा की दर्शक दीर्घा का पास मिला था। तब से वह विवादों में थे। कर्नाटक भाजपा के पूर्व अध्यक्ष नलिन कुमार कटील के बजाय दक्षिण कन्नड़ सीट से पूर्व सैन्यकर्मी बृजेश चौटा को उम्मीदवार बनाया गया है। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी कर्नाटक में धारवाड़ से चुनाव लड़ेंगे, जबकि पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा के बेटे बी वाई राघवेंद्र शिमोगा से फिर से चुनाव मैदान में उतरेंगे।

भाजपा ने जिन 72 लोकसभा क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है, उनमें महाराष्ट्र और कर्नाटक की 20-20, गुजरात की सात, हरियाणा और तेलंगाना की छह-छह, मध्य प्रदेश की पांच, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की दो-दो जबकि त्रिपुरा, दादर और नगर हवेली व दमन और दीव की एक-एक संसदीय सीट शामिल है।

दिल्ली में भाजपा ने दो नये उम्मीदवारों- पूर्वी दिल्ली से हर्ष मल्होत्रा और उत्तर पश्चिम दिल्ली से योगेंद्र चंदोलिया को मैदान में उतारा है। इसके साथ ही भाजपा ने दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

राजनीतिक फण्डे

है राजनीति का प्रबल अस्त्र,
दुश्मन की करना जासूसी।
सत्ता कहती है हरा जिसे,
प्रतिपक्षी कह देता भूसी।
चाहे अच्छे हो कृत्य भले,
फिर भी होती कानाफूसी।
गठबंधन होते ठगबंधन,
जिनमें चलती रूसारूसी।।

आक्रामक कुत्तों की 23 नस्लों पर प्रतिबंध लगाने का केंद्र का निर्देश

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने राज्यों को पिटबुल टेरियर, अमेरिकन बुलडॉग, रॉटवाइलर और मास्टिफ्स सहित 23 नस्लों के आक्रामक कुत्तों की बिक्री और प्रजनन पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। सरकार ने यह निर्देश ऐसे समय में दिया है जब देश में पालतू कुत्तों के हमलों में लोगों की मौत की घटनाओं में वृद्धि हुई है। विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी निर्देश के मुताबिक लोगों को पालतू जानवरों के रूप में 23 नस्लों के कुत्तों को रखने की मनाही होगी। केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने 12 मार्च को सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को लिखे एक पत्र में यह भी कहा कि कुत्तों की इन नस्लों, जिन्हें पहले से ही पालतू जानवर के रूप में रखा गया है, उनका आगे प्रजनन नहीं हो ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए। केंद्र सरकार के पशुपालन और डेयरी विभाग ने अभ्यावेदन के मद्देनजर विभिन्न हितधारक संगठनों के सदस्यों और विशेषज्ञों के साथ पशुपालन आयुक्त की अध्यक्षता में एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया था। इस समिति ने मिश्रित और क्रॉस नस्लों सहित कुत्तों की 23 नस्लों को क्रूर और मानव जीवन के लिए खतरनाक माना है।

वित्त मंत्रालय
MINISTRY OF FINANCE
सत्यमेव जयते

जीएसटी करदाता ध्यान दें!

जिन करदाताओं का सकल वार्षिक टर्नओवर# एक विनिर्दिष्ट सीमा* तक है वे वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जीएसटी कंपोजिशन योजना का विकल्प

31 मार्च, 2024 तक चुन सकते हैं

पात्र करदाता, जो कंपोजिशन योजना का लाभ उठाने के इच्छुक हैं, वे जीएसटी पोर्टल (www.gst.gov.in) पर निम्न प्रक्रिया द्वारा कंपोजिशन योजना का विकल्प चुन सकते हैं:

- करदाता इंटरफेस पर लॉगिन करें
- 'Services > Registration > Application to Opt for Composition Levy' पर जाएं
- फॉर्म GST CMP-02 भर कर जमा करें

पहले से कंपोजिशन योजना का लाभ उठा रहे पात्र करदाताओं को फॉर्म GST CMP-02 दाखिल करना आवश्यक नहीं है

- आसान और सुविधाजनक अनुपालन
- आकर्षक कर दरें
- न्यूनतम अनुपालन आवश्यकताएं
- माल एवं सेवाओं की आपूर्तिकर्ताओं के लिए उपलब्ध
- कम बही खातों की आवश्यकता
- स्वत: नवीकरण और योजना को छोड़ना भी सरल

*

आपूर्तिकर्ताओं के प्रकार		#वित्तीय वर्ष 2023-24 में सकल वार्षिक टर्नओवर
माल के आपूर्तिकर्ता	08 विनिर्दिष्ट राज्यों में पंजीकृत करदाता	रू. 75 लाख तक
	अन्य राज्यों में पंजीकृत करदाता	रू. 150 लाख तक
सेवाओं के आपूर्तिकर्ता		रू. 50 लाख तक

अधिक जानकारी के लिए कृपया स्कैन करें

अधिक जानकारी के लिए कृपया सीजीएसटी अधिनियम की धारा 10, सीजीएसटी नियम 3 से 7 और अधिसूचना सं. 14/2019-केंद्रीय कर दिनांक 07.03.2019, को देखें

जीएसटी कंपोजिशन योजना: छोटे करदाताओं के लिए बड़े लाभ

cbc 15502/13/0029/2324

केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड

@cbic_india @cbicindia @cbicindia @cbic @CBIC INDIA @CBIC India www.cbic.gov.in

टीम आरएसके बनी राजपुरोहित चैम्पियन लीग की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर में राजपुरोहित चैम्पियन लीग सीजन -1 का फाइनल मुकाबला रविवार को टीम आरएसके एवं टीम मां रोहिणी स्पोर्ट क्लब मादा के बीच खेला गया जिसमें टीम आरएसके ने पहले बल्लेबाजी करते हुई निर्धारित 20 ओवर में 111 रन का स्कोर बनाया तथा जवाब में टीम मां रोहिणी मात्र 99 रन ही बना पाई। टीम आरएसके ने शानदार प्रदर्शन कर लीग पर कब्जा जमा लिया।

मैन ऑफ दि मैच जितेंद्र कुमार बावली, मैन ऑफ दि सीरीज विक्रम सिंह मादा, बेस्ट बेस्टमैन राहुल बावली, बेस्ट बॉलर विक्रम सिंह मादा, बेस्ट विकेटकीपर राजेश राजपुरोहित मादा, बेस्ट फिल्डर योगेश राजपुरोहित रहे। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में आहोर के विधायक छगनसिंह राजपुरोहित, एडवोकेट मुकेश सिंह तथा विशेष अतिथि के रुप में सेना लेफ्टिनेंट राजेश राजपुरोहित आलासन उपस्थित थे।

कार्यक्रम में राजपुरोहित ट्रस्ट खेतेश्वर भवन के चेयरमैन शांतिलाल मनादर आदि उपस्थित थे।

अणुव्रत व्यक्ति के चरित्र निर्माण में बनता सहभागी : साध्वी गवेषणाश्री

अणुव्रत अमृत महोत्सव वर्ष सम्पूर्ति समारोह पर हुए व्याख्यान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय अणुव्रत समिति द्वारा अणुव्रत आन्दोलन के 75वें स्थापना वर्ष पर उद्घोषित अणुव्रत अमृत महोत्सव का सम्पूर्ति समारोह 'अणुव्रत व्याख्यानमाला' साध्वी डॉ गवेषणाश्री के सान्निध्य में तिरुकल्लीकुण्ड्रम में आयोजित हुआ। साध्वी डॉ गवेषणाश्री ने व्याख्यान में कहा कि अणुबम के युग में अणुव्रत व्यक्तित्व विकास का पायदान प्रस्तुत कर रहा है। अणुव्रत व्यक्ति के चरित्र निर्माण में सहभागी बनता है। आचार्य श्री तुलसी द्वारा प्रवर्तित अणुव्रत आन्दोलन पर्यावरण की सुरक्षा प्रदान करता है। साध्वीश्री ने आगे कहा कि रंगोली का रंग सात घण्टे, मेहन्दी का रंग सात दिन रहता है, लेकिन अणुव्रत का रंग जीवन भर रहता है। अणुव्रत का दीपक जलता है झंझावातों में्। छोटे से बीज में वटवृक्ष बनने की क्षमता होती है, उसी तरह अणुव्रत के छोटे छोटे

नियम स्वीकरण से व्यक्ति का स्वयं का विकास होता है और उससे समाज, देश और विश्व विकास की परिकल्पना साकार होती हैं्।

साध्वीश्री ने कहा कि हम भगवान महावीर के अनुयायी है, जैनी है। हमारा सम्यक् दायित्व होना चाहिए कि हम अपने जीवन व्यवहार से अणुव्रती बने।इहलोक और परलोक को सुधारने के लिए जीवन को नशामुक्त बनायें।

साध्वीश्री मयंकप्रभाजी ने कहा कि असली आजादी को अपनाने का नारा देते हुए, कुर्सी प्रधान की जगह पुनः कृषि प्रधान देश बने रहने एवं समाज के सर्वोदय के लिए गुरुदेव श्री तुलसी ने आज से 75 वर्ष पूर्व अणुव्रत का सूत्रपात किया। अणुव्रती बनने से जीवन में हिंसा का अवरोहण होता है और अहिंसा का ऊर्ध्वारोहण होता है। साध्वी श्री मेरुप्रभाजी व दक्षप्रभाजी ने गीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में अणुव्रत लेखक पुरस्कार से सम्मानित डॉ दिलीप धींग ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लिए शिक्षा जरूरी है। वर्तमान की शिक्षा प्रणाली में चरित्र निर्माण पाठ्यक्रमों का समावेश जरूरी है। अणुव्रत जीवन शैली से पर्यावरण संतुलन बना रह सकता है। उससे मानव के साथ पशु जगत भी सहजता से अपना व्यवस्थित जीवन जी सकते हैं्। अणुव्रत समिति प्रतिनिधि वक्ता गौतमचन्द सेठिया ने कहा कि अणुव्रत से मन और बुद्धि का संतुलन हो सकता है। संवेदनाओं का प्रसार होता है, करुणा का विकास होता है।

इससे पूर्व कार्यक्रम के शुभारम्भ से पहले शहर के मुख्य मार्गों व बाजार में अणुव्रत रैली निकाली गई। इस मौके पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष सम्पतराज बरोला, चेन्नई अणुव्रत समिति अध्यक्ष ललित आंचलिया ने अणुविभा द्वारा संचालित गतिविधियों का उल्लेख किया। तिरुकल्लीकुण्ड्रम सभा के निवर्तमान अध्यक्ष बाबूलाल खांटेड़, ताराचन्द बरलोटा अणुव्रत कार्यकर्ता ने अपने विचार व्यक्त किए। अणुव्रत समिति कोषाध्यक्ष पंकज चौपड़ा, तिरुकल्लीकुण्ड्रम सभा मंत्री प्रशांत दुगड़ ने आभार व्यक्त किया। संचालन अणुव्रत समिति, चेन्नई मंत्री स्वरूप चन्द दाँती ने किया।

श्रीलंका में पर्यटक वीजा पर अवैध रूप से कार्य करने के लिए 21 भारतीय गिरफ्तार

कोलंबो। श्रीलंकाई अधिकारियों ने पर्यटक वीजा नियमों का उल्लंघन करके देश में अवैध रूप से ऑनलाइन विपणन केंद्र का संचालन कर रहे 21 भारतीय नागरिकों को गिरफ्तार किया है। मीडिया में बुधवार को आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। 'डेली मिरर' समाचार पत्र की खबर के अनुसार पर्यटक वीजा पर श्रीलंका आए 24 से 25 वर्ष की आयु के 21 लोगों को आव्रजन व प्रवासन विभाग ने मंगलवार को हिरासत में ले लिया। खबर में कहा गया है कि गिरफ्तार किये गये सभी भारतीय नागरिक पुरूष हैं। खबर के अनुसार प्रारंभिक जांच के बाद, विभाग ने नेगोंबो शहर में एक किराए के मकान पर छापा मारा, जहां गिरफ्तार किए गए लोग एक ऑनलाइन मार्केटिंग केंद्र संचालित करते पाए गए। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर को एक कार्यस्थल में बदल दिया गया था जहां कंप्यूटर एवं अन्य उपकरण लगाए गए थे।

वैष्णव महाविद्यालय में लगा मेगा रोजगार शिविर

120 कंपनियों के 200 प्रतिनिधि हुए सम्मिलित, 1500 उम्मीदवार हुए चयनीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के द्वारकादास गोवर्धनदास वैष्णव कॉलेज अरुम्बाक्कम में सोमवार को एक बड़े पैमाने पर अपने विद्यार्थियों के लिए रोजगार शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 120 अलग अलग कंपनियों के 200 एचआर प्रतिनिधि शामिल हुए। इस शिविर में स्नातक और स्नातकोत्तर 1500 विद्यार्थियों को रोजगार मिला तथा उन्हें जॉब पत्र प्रदान किए।

कॉलेज के रोजगार अधिकारी एम बालमुरलीकृष्णन ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और सभी विद्यार्थियों को बताया कि जब तक आपको लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए तब तक प्रयास करते रहना है। अध्यक्षीय भाषण देते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ एस संतोष बाबू ने कहा कि आज के इस युग में सिर्फ प्रवेश देकर 3 या 5 साल तक अच्छी शिक्षा देना ही पर्याप्त नहीं है । हमें छात्रों को उनकी योग्यता के अनुसार रोजगार देने में भी मदद करनी है। वैष्णव कॉलेज के विद्यार्थियों में कुछ अलग है हमें अब ये दिखाना है । सभी को कोर्स के अलावा 2 साल तक अनेक वैल्यू एडेड कोर्स पढ़ाकर हमने दो साल बाद ये पहला प्रयास किया है। ये हमारे लिए गर्व का विषय है कि चेन्नई के आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज में पहली बार रोजगार का इतना बड़ा मेला लगा है।

कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूँदडा ने कहा कि ये रोजगार मेला वैष्णव कॉलेज के 60 साल के इतिहास में मील का पत्थर है। 1500 से अधिक विद्यार्थियों का चयन समाज के लिए प्रेरणादायक संदेश है ।

तेरापंथ महिलाओं ने मनाया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिला सशक्तिकरण विषय पर तेरापंथ भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया। अध्यक्ष लता पारख ने सभी का स्वागत किया। अध्यक्ष, उपाध्यक्ष रीमा सिंघवी व अलका खटेड़, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य माला कात्रेला, दीपा पारख, मंत्री हेमलता नाहर ने मुख्य अथिति शालिनी को प्रेरणा सम्मान से पुरुस्कृत किया। मुख्य अतिथि ने महिला स्वास्थ्य सम्बन्धित उपचार बताए और अपने दिनचर्या में व्यायाम को जोड़ने की सलाह दी। महिला मंडल की सदस्याओं ने नुक्कड़ नाटिका की प्रस्तुति दी गई। सहमंत्री कंचन भंडारी ने धन्यवाद दिया तथा मंत्री हेमलता नाहर ने संचालन किया।

श्रुत भक्ति दिवस को तप, त्याग और भक्ति दिवस के रूप में मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। स्थानीय साधुमार्गी जैन संघ ने आचार्य रामेश के 32वां युवाचार्य दिवस एवं उपाध्याय प्रवर के पंचम उपाध्याय पदारोहण दिवस को तप त्याग एवं गुरु भक्ति कार्यक्रम के साथ मनाया।

इस अवसर पर उपवास संवर आदि तप आराधना की गई। इस कार्यक्रम में संघ अध्यक्ष सुरेशकुमार दक, कोषाध्यक्ष श्यामलाल गन्ना, समरथ दक, अखिल भारतवर्षीय साधुमार्गी जैन समता युवा संघ के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल पोरवाड़, पूर्व युवा अध्यक्ष जंसवत गन्ना, गौतम देरासरिया महिला मंडल अध्यक्ष उमा गन्ना, रेखा दक किरण पोरवाड़ आदि सदस्य उपस्थित रहे। भक्ति कार्यक्रम का संचालन संघ मंत्री सुशीलकुमार नंदावत ने किया।

क्लुारा वॉरियर्स टीम ने जीता 'लक्सस्टार एलईडी मेटा क्रिकेट कप'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। स्थानीय मद्रास इलेक्ट्रिक ट्रेड एसोसिएशन द्वारा लक्सस्टार एलईडी मेटा क्रिकेट कप के फाइनल मैच में क्लारा वॉरियर्स टीम ने शानदार जीत दर्ज की । फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप मेंअजित चोरडिया, एडवर्ड केनेडी और डॉक्टर रिपब्लिका श्रीधर उपस्थित थे। मेटा के अध्यक्ष हुक्मीचंद शाह ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रायोजकों एवं खिलाड़ियों को धन्यवाद दिया।सचिव गणेश कुमार रंगा ने मेटा की गतिविधियों का विस्तार से वर्णन किया। उपाध्यक्ष महेंद्रकुमार मुथा, संयुक्त सचिव सुनीलकुमार और संयुक्तसचिव हंसराज पुरोहित, कोषाध्यक्ष कन्हैयालाल ने अतिथियों का सम्मान किया।

मेटा क्रिकेट 2024 के शीर्ष प्रायोजक लक्सस्टार के राहुल सिंघी, अक्षय छाजेड़, सहयोगी प्रायोजक इवनप्लस के नवीन ओस्तवाल, हेलो के राजकुमार ओस्तवाल, सनकॉम से विनोद कोठारी, मॉडर्न इलेक्ट्रिकल्स से पवन जैन वंदना इलेक्ट्रिकल्स से महावीर चौहान, सत्त्वा से संजय जैन, ब्लूलाइन से संतोष कोठारी, क्लारा रोनक, सिबास से सुकेश सिंघी, एल-लाइट के महावीर एवं अन्य प्रायोजक परिवारों ने खेल का आनंद उठाया। मेटा द्वारा आयोजित फाइनल मैच ब्लूलाइन स्ट्राइकर्स और क्लारा वॉरियर्स के बीच खेला गया, जिसमें क्लारा वॉरियर्स ने 3 विकेट से मैच जीत लिया। क्लारा वॉरियर्स के मैन ऑफ दि मैच कुणाल जैन व विशेष प्रदर्शन करने वाले ब्लूलाइन स्ट्राइकर्स के समीप शाह रहे। मेटा के अनेक पदाधिकारियों व सदस्यों, खेल उपसमिति के सदस्यों का आयोजन को सफल बनाने में सहयोग रहा ।

छाछ वितरण

कोयंबतूर और आसपास इलाके में गर्मी के शुरू होते ही विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाएं अपने अपने स्तर पर राहगीरों को गर्मी से राहत पहुंचाने के लिए छाछ वितरण कार्यक्रम शुरु कर देती हैं। उसी श्रृंखला में गुजराती समाज ने गत सप्ताह से निशुल्क छाछ वितरण का स्टॉल शुरु कर दिया है। अनेक स्थानक संघ, जैन मंदिर संघ, राजस्थानी संघ व अन्य हिन्दू संगठन अपने अपने स्टॉल लगाने की तैयारियों में है। चित्र में शहर के वडकोवै इलाके में गुजराती समाज द्वारा लगाए एक स्टॉल पर छाछ पीकर प्यास बुझाते हुए राहगीर दर्शित हैं।

'अबकी बार, मोदी सरकार, 400 पार' हो हम सबका नारा : पीसी मोहन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। सर्व कन्नड़िगा राजस्थानी सामाजिक संस्थाओं के तत्वावधान में शिक्षक सदन में बेंगलूरु सेन्ट्रल लोकसभा क्षेत्र के सांसद पी सी मोहन के साथ संवाद व स्नेह मिलन का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रवासी समुदायों के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद पीसी मोहन ने लोकसभा चुनाव के मद्देनजर कहा कि 'अबकी बार, मोदी सरकार, 400 पार' के नारे को सार्थक करना है। उन्होंने मोदी सरकार की विकास यात्रा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मोदी सरकार में राष्ट्र और सनातन धर्म मजबूत हुआ है। मोहन ने कहा कि प्रवासी समाज सदैव भाजपा के साथ रहा है और आगे भी भाजपा के साथ ही रहे, यह मेरा निवेदन है। उन्होंने कहा, मोदीजी के कार्यकाल में भारत का सर्वांगीण विकास हो रहा है और भारत विश्व गुरु बनने की राह पर अग्रसर है।

सांसद पीसी मोहन ने कहा कि मेरे राजनीतिक जीवन मे मैं दो बार विधायक और 3 बार सांसद रहा हूँ। मेरे राजनीतिक जीवन को आगे बढ़ाने में राजस्थानी समाज का महत्त्वपूर्ण योगदान रहा है। इस बार भी आप सबको लोकसभा चुनाव में मोदीजी और भाजपा का समर्थन करना है। उन्होंने उपस्थित सभी जनों से भाजपा का समर्थन करने का निवेदन किया।

कार्यक्रम में राजपुरोहित समाज, राजपुरोहित संघ, राजपूत, सीरवी, माली (सैनी), आंजणा पटेल, रावणा राजपूत, देवासी, जैन, प्रजापत, गुर्जर, कुमावत, जांगिड़, घांची, रावल ब्राह्मण सहित अनेक समुदायों के लोग शामिल थे।

ध्वजारोहण

कोयम्बटूर के उपनगर पेरीनाईकांपलयम स्थित गुरुदेव जिनकुशलसूरी दादावाड़ी में बुधवार को 21वां ध्वजारोहण किया गया। साध्वीश्री प्रियसौम्यांजनाश्री, ज्ञानान्जनाश्री के सान्निध्य में मंदिर प्रांगण में सत्तरभेदी पूजा व ध्वजारोहण का कार्यक्रम पूरे विधि विधान से किया गया। इस मौके पर दादावाड़ी के अध्यक्ष विजयचन्द झाबक ने सभी का स्वागत किया तथा कुशल झाबक ने धन्यवाद दिया। लाभार्थी परिवार ने विधि विधान से मंदिर के शिखर पर ध्वजारोहण किया। इस मौके पर दिनेश गुलेच्छा, किशोर जैन आदि अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे।

ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में आचार्यश्री अभयशेखरसूरीश्वरजी के शिष्य पंन्यासश्री जयभानु शेखरजी एवं साध्वीश्री संस्कारनिधिजी की निश्रा में लाभार्थी बम्बोरी परिवार ने ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण से पूर्व मंदिर में सत्तरभेदी पूजा का आयोजन किया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए।

विरोध प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गत 30 माह के डीएमके राज में एनसीबी द्वारा बड़ी मात्रा में नशीली पदार्थ का सीजर तमिलनाडु में हुआ जिसके लिए डीएमके के विदेशी प्रवासी इकाई के अध्यक्ष जाफर सादिक कि गिरफ्तारी में एनसीबी को बहुत बड़ी सफलता मिली थी। बताया जा रहा है फिल्म निर्माता जाफर सादिक को उदयनिधि स्टालिन का करीबी बताया गया है। इस मुद्दे को लेकर भाजपा ने पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने मंगलवार को चेन्नई में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अनामलई के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा समर्थक शामिल हुए। इस प्रदर्शन में तमिलनाडु भाजपा के वरिष्ठ अध्यक्ष एच राजा, राज्य उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति, कारू नागराजन, राज्य सचिव विनोज सेल्वम, सुमति वेंकटेश आदि ने उपस्थित होकर सरकार के विरोध में प्रदर्शन किया।

तमिलनाडु के लिए दी परियोजनाओं की सूची बताएं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी : एम के स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पोल्लाचि। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रदेश आगामी दौरे पर केंद्र सरकार द्वारा राज्य को दी गई विशेष परियोजनाओं की सूची बताने की चुनौती दी। प्रधानमंत्री ने प्रदेश के अपने पिछले दौरे में कहा था कि राज्य सरकार केंद्रीय की योजनाओं में अड़चन पैदा कर रही है, और इसी के उत्तर में स्टालिन का यह बयान आया है। स्टालिन ने कहा कि मोदी को उन केंद्रीय परियोजनाओं का भी उल्लेख करना चाहिए जिनमें तमिलनाडु की द्रविड मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार ने अड़चन डाली है।

एक सरकारी कार्यक्रम को संबोधित करते हुये स्टालिन ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री ने अखबारों और टेलीविजन चैनलों में 'मोदी की गारंटी' के बारे में विज्ञापन दिया है, लेकिन वास्तव में उन्होंने लोगों के लिए कुछ नहीं किया है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि हर नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करने और साल में

दो करोड़ नौकरियां देने की मोदी की 'पुरानी गारंटी' का क्या हुआ।

सरकारी समारोह में उन्होंने लाभार्थियों को कल्याणकारी योजना के तहत सहायता वितरित की, नयी परियोजनाओं की नींव रखी और कई नयी योजनाओं की शुरुआत की। प्रधानमंत्री आने वाले दिनों में एक बार फिर तमिलनाडु का दौरा करने वाले हैं। स्टालिन ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''तमिलनाडु के लोगों को उनसे राज्य के लिए शुरू की गई विशेष योजनाओं के बारे में पूछना चाहिए। सभी को प्रधानमंत्री से जवाब मांगना चाहिए। क्या आप सभी उनसे पूछेंगे?'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने आरोप लगाया कि द्रमुक सरकार ने केंद्र सरकार की परियोजनाओं को विफल कर दिया। यह ''झूठ के अलावा कुछ नहीं है; यह मोदी का झूठ है।''

स्टालिन ने कहा, '' वह कौन सी परियोजना लेकर आए हैं? हमने कौन सी परियोजना में अड़चन डाली है? क्या वह बताएंगे कि हम किस परियोजना में बाधा बने हैं?'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह प्रधानमंत्री के आरोपों को खारिज करने के लिए सिर्फ एक उदाहरण देंगे। तमिलनाडु के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) परियोजना की घोषणा 2015-16 के केंद्रीय बजट में की गई थी, लेकिन मदुरै में इसका निर्माण हाल ही में शुरू हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र में एक ऐसी सरकार लाने का समय आ रहा है जो राज्यों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी होगी।

लोकसभा चुनाव : पन्नीरसेल्वम, दिनाकरण ने भाजपा के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) से निष्कासित नेता ओ पन्नीरसेल्वम तथा अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के संस्थापक टीटीवी दिनाकरण ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए मंगलवार देर रात भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सीट बंटवारे पर बातचीत की। पूर्व मुख्यमंत्री पन्नीरसेल्वम इस बात पर जोर दे रहे हैं कि उनके उम्मीदवार 'दो पत्ती' चुनाव चिह्न पर लड़ेंगे।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निर्वाचन आयोग अन्नाद्रमुक का चुनाव चिह्न 'दो पत्ती' उन्हें आवंटित करेगा। सीट बंटवारे पर बातचीत मंगलवार देर रात शुरू हुई और आज सुबह तक जारी रही। पन्नीरसेल्वम और दिनाकरण ने दो दिन पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल होने की घोषणा की थी। दोनों नेताओं ने भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल से बातचीत की जिसमें केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी, पार्टी की तमिलनाडु इकाई के प्रमुख के. अन्नामलाई और अन्य शामिल थे।

पन्नीरसेल्वम ने बाद में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राजग एक बड़ा गठबंधन है और ऐसा हो सकता है कि दो-तीन लोग (दल) एक ही निर्वाचन क्षेत्र की मांग करें। उन्होंने कहा कि बातचीत से कोई निर्णय लिया जा सकेगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह 'दो पत्ती' चुनाव चिह्न का 'दावा' करेंगे, पन्नीरसेल्वम ने कहा 'यकीनन'। उन्होंने कहा, हम 'दो पत्ती' (निर्वाचन आयोग से) मांगेंगे, हमें वह चुनाव चिह्न मिलेगा और हम केवल उसी चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़ेंगे। शहर के आरके नगर विधानसभा क्षेत्र में 2017 के उपचुनाव में 'प्रेशर कुकर' चुनाव चिह्न पर निर्दलीय के रूप में जीत हासिल करने वाले दिनाकरण ने कहा कि वह आने वाले चुनावों में भी इसी चुनाव चिह्न को प्राथमिकता देंगे।

मद्रास हाईकोर्ट ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूर्व मंत्री बालाजी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक से किया इनकार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने प्रधान सत्र और पीएमएलए मामलों के लिए विशेष अदालत में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी के खिलाफ ईडी द्वारा दायर मामले की कार्यवाही पर रोक लगाने से बुधवार को इनकार कर दिया। बालाजी इस समय जेल में हैं। न्यायमूर्ति एम.एस. रमेश और न्यायमूर्ति सुंदर मोहन की खंडपीठ ने बुधवार को वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी और एस. प्रभाकरन से कहा कि अंतरिम रोक के लिए दायर याचिका पर ईडी द्वारा जवाब दाखिल किए जाने के बाद ही विचार किया जा सकता है।

अदालत ने अधिवक्ताओं को बताया कि सत्र न्यायालय द्वारा मुकदमे को स्थगित किए जाने से इनकार करने के खिलाफ आरोपी ने एक पुनरीक्षण याचिका दायर की थी, जो लंबित है। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ए.आर.एल. सुंदरेशन को यह सुनिश्चित करने को कहा कि जवाबी हलफनामा 25 अप्रैल तक दाखिल किया जाए।

अदालत ने ईडी के विशेष लोक अभियोजक एन. रमेश को आपराधिक पुनरीक्षण याचिका में जांच एजेंसी की ओर से जारी नोटिस का जिक्र का भी करने का निर्देश दिया। बहस के दौरान वरिष्ठ वकील मुकुल रोहतगी ने इस बात पर जोर दिया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले की सुनवाई कैश-फॉर-जॉब मामले की सुनवाई पूरी होने तक टाल दी जानी चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि अगर आरोपी व्यक्ति को ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दोषी ठहराया जाता है और फिर चेन्नई सेंट्रल क्राइम ब्रांच पुलिस द्वारा दर्ज कैश-फॉर-जॉब मामले से बरी कर दिया जाता है तो गंभीर अन्याय होगा। रोहतगी ने कहा कि यह घोड़े के आगे गाड़ी लगाने जैसा होगा... यदि याचिकाकर्ता को दोषी ठहराया जाता है और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल भेज दिया जाता है, लेकिन अंततः विधेय अपराध में बरी कर दिया जाता है, तो कोई भी घड़ी को पीछे नहीं रख सकता। उन्होंने यह भी बताया कि पीएमएलए तब तक लागू नहीं किया जा सकता, जब तक कि व्यक्ति ने पहले से कोई विधेय अपराध न किया हो। हालांकि, डिवीजन बेंच ने तर्कों के आधार पर अंतरिम रोक की अनुमति नहीं दी।

प्रधानमंत्री मोदी कांग्रेस अध्यक्ष खरगे के गृह जिले से भाजपा का प्रचार अभियान शुरू करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के लोकसभा चुनाव का प्रचार अभियान कलबुर्गी में 16 मार्च को जनसभा को संबोधित करने के साथ शुरू करेंगे। पार्टी की राज्य इकाई के महासचिव वी.सुनील कुमार ने बुधवार को यह जानकारी दी। कलबुर्गी अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) अध्यक्ष एम मल्लिकार्जुन खरगे का गृह जिला है जहां से वह 2009 और 2014 मे लोकसभा सदस्य चुने गए थे लेकिन पिछली बार भाजपा के उमेश जाधव से हार गए थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इस बार पार्टी 81 वर्षीय खरगे के

दामाद राधाकृष्णन डोड्डामणि को यहां से प्रत्याशी बना सकती है।

सुनील कुमार ने यहां भाजपा राज्य मुख्यालय में संवाददाताओं से कहा कि मोदी 18 मार्च को शिवमोगा में एक सार्वजनिक सभा को भी संबोधित करेंगे। उन्होंने बताया, मोदी की 16 मार्च को कलबुर्गी के एनवी खेल मैदान में एक जनसभा होगी जबकि शिवमोगा में कार्यक्रम 18 मार्च को अल्लामाप्रभु मैदान में होगा। कर्नाटक भाजपा के लिए सबसे महत्वपूर्ण राज्य है क्योंकि यहीं दक्षिण का एकमात्र राज्य है जहां पर वह पूर्व में अपने दम पर सत्तारूढ़ रही है।

भाजपा ने पिछले लोकसभा चुनावों में राज्य की कुल 28 में से 25 सीट पर जीत दर्ज की थी जबकि एक सीट पार्टी द्वारा समर्थित निर्दलीय के खाते में गई थी।

खरगे ने कहा: हमारे खातों पर रोक लगाई गई, खर्च करने के लिए पैसे नहीं...

कलबुर्गी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने पार्टी के पास पैसे की कमी होने का बुधवार को संकेत दिया और आरोप लगाया कि लोगों द्वारा दिया गया चंदा जिन बैंक खातों में जमा किया गया था, उनपर केंद्र सरकार ने रोक लगा दी है तथा आयकर विभाग ने पार्टी पर भारी-भरकम जुर्माना लगाया है। खरगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर निशाना साधते हुए लोगों का आह्वान किया कि वे देश में संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए आगामी लोकसभा चुनाव में एक साथ मजबूती से खड़े हों और कांग्रेस की जीत सुनिश्चित करें।

खरगे ने चुनाव में समान अवसर की आवश्यकता पर जोर दिया और आरोप लगाया कि भाजपा ने आयकर विभाग का सहारा लेकर कांग्रेस के खातों पर रोक लगवाई और जुर्माना लगवाया है। उन्होंने दावा किया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश के बावजूद भाजपा चुनावी बॉण्ड के माध्यम से मिले हजारों करोड़ रुपये का खुलासा करने के लिए तैयार नहीं हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का कहना था, यह हमारी पार्टी का पैसा था जो आप लोगों ने चंदे के रूप में दिया था, उन्होंने इसे फ्रीज कर दिया है और हमारे पास खर्च करने के लिए पैसे नहीं हैं... जबकि, वे (भाजपा) चुनावी बॉण्ड के बारे में खुलासा नहीं कर रहे हैं, क्योंकि उनकी चोरी और गलत काम सामने आ जाएंगे। खरगे ने गुजरात में एक क्रिकेट स्टेडियम का नाम प्रधानमंत्री मोदी के नाम पर रखे जाने का उल्लेख करते हुए कटाक्ष किया, आप अभी जीवित हैं, ऐसे नामकरण किसी के निधन के बाद किए जाते हैं। जब कोई व्यक्ति जीवित होता है, तो उसके स्मारक नहीं बनाए जाते हैं। यह काम उसके चाहने वाले बाद में करते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि कलबुर्गी (गुलबर्गा) के लोगों ने अपनी गलती को सुधारने और आगामी चुनाव में कांग्रेस को विजयी बनाने का फैसला किया है। पिछले लोकसभा चुनाव में इस सीट से खरगे को हार का सामना करना पड़ा था। भाजपा के उमेश जाधव ने उन्हें 95,452 वोटों के अंतर से हराया था।

सीएए लागू करने पर अभी चर्चा नहीं की है, कैबिनेट करेगी इस पर फैसला : जी. परमेश्वर

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बुधवार को कहा कि राज्य सरकार ने नागरिकता (संशोधन) अधिनियम (सीएए) के कार्यान्वयन के मुद्दे पर अभी तक चर्चा नहीं की है और मंत्रिमंडल इस पर फैसला करेगा।

केंद्र ने सोमवार को नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के नियमों को अधिसूचित करने की घोषणा की। यह कदम विवादास्पद कानून पारित होने के चार साल बाद आया है।

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देता है। परमेश्वर ने संवाददाताओं से कहा, हमने अभी तक इस पर (सीएए) चर्चा नहीं की है।

सीएए नियमों को अधिसूचित करना एक 'हथकंडा' है : सिद्दरामैया

उडुपी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने बुधवार को कहा कि केंद्र द्वारा संशोधित नागरिकता अधिनियम के नियमों को अधिसूचित करना लोकसभा चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक 'हथकंडा' है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसकी समीक्षा करेगी और इसके बाद कर्नाटक में सीएए के कार्यान्वयन के संबंध में निर्णय लेगी। केंद्र ने सोमवार को संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 के नियमों को अधिसूचित करने की घोषणा की। यह कदम विवादास्पद कानून पारित होने के चार साल बाद उठाया गया।

संशोधित नागरिकता अधिनियम, 2019 पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारत की नागरिकता

प्रदान करने का प्रावधान करता है। सिद्दरामैया ने कहा, सीएए चुनाव (लोकसभा चुनाव) को ध्यान में रखते हुए लाया गया है। वे (केंद्र) इतने सालों तक चुप क्यों रहे? अब वे इसे अचानक चुनाव से पहले ले आए हैं। उन्हें (चुनाव में) हारने का डर है,इसलिए वे इन सब हथकंडों का प्रयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, हमने अभी इसकी समीक्षा नही की है। हम कल मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर चर्चा करेंगे। इससे पहले गृह मंत्री जी परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं से कहा कि राज्य सरकार ने सीएए के कार्यान्वयन के मुद्दे पर अभी तक चर्चा नहीं की है और मंत्रिमंडल इस पर फैसला करेगा।

कर्नाटक में लाल मिर्च हिंसा मामले में 42 किसान गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने अपने प्रशासन की उपलब्धियों को लोगों तक पहुंचाने के लिए बुधवार को प्रदेश सरकार के पांच कैबिनेट मंत्रियों को सरकारी प्रवक्ता नियुक्त किया। मुख्यमंत्री ने जिन मंत्रियों को सरकारी प्रवक्ता नियुक्त किया है उनमें दिनेश गुंडू राव, कृष्णा बायरे गौड़ा, प्रियांक खरगे, ईश्वर खंडरे और संतोष लाड शामिल हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय ने उनके हवाले से 'एक्स' पर कहा, मुझे पूरा विश्वास है कि सरकारी प्रवक्ता के रूप में नियुक्त किए गए ये सभी मंत्री राज्य के लोगों के सामने सरकार की उपलब्धियों को प्रभावी ढंग से पेश करेंगे। उनकी नियुक्ति के संबंध में जारी आधिकारिक पत्र में, मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे विभागों के प्रमुखों को ऐसे उपाय करने का निर्देश दें ताकि उन्हें (प्रवक्ताओं को) समय-समय पर सरकार की उपलब्धियों के बारे में दस्तावेज और जानकारी प्रदान की जा सके।

पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के दामाद भाजपा में शामिल होंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवेगौड़ा के दामाद डॉ. सी.एन. मंजूनाथ बुधवार को कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने बताया कि डॉ. मंजूनाथ गुरुवार को भाजपा में शामिल होंगे। सूत्रों ने यह भी कहा कि डॉ. मंजूनाथ को बेंगलूरु ग्रामीण लोकसभा सीट से उपमुख्यमंत्री डी.के.शिवकुमार के भाई डी.के.सुरेश के खिलाफ मैदान में उतारा जाएगा। बेंगलूरु ग्रामीण निर्वाचन क्षेत्र को शिवकुमार बंधुओं का गढ़ माना जाता है। पिछले लोकसभा चुनाव में डी.के. सुरेश पूरे राज्य में जीत दर्ज करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे।

सूत्रों ने कहा कि पूर्व सीएम कुमारस्वामी ने डॉ. मंजूनाथ को भाजपा के टिकट पर राजनीति में आने के लिए मना लिया है, क्योंकि वह विधानसभा चुनाव में अपने बेटे

उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के भाई के खिलाफ लड़ेंगे लोकसभा चुनाव

निखिल कुमारस्वामी की हार का बदला लेना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने रामानगर विधानसभा सीट से निखिल कुमारस्वामी के खिलाफ अपने विश्वासपात्र इकबाल अंसारी की जीत सुनिश्चित की थी।

विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद उपमुख्यमंत्री शिवकुमार राज्य में वोक्कालिगा चेहरे के रूप में उभरे हैं। वोक्कालिगा समुदाय पहले प्रभावशाली देवेगौड़ा परिवार के पीछे लामबंद होता था। इस बीच, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा के दामाद के अपने भाई के खिलाफ चुनाव लड़ने की संभावना पर टिप्पणी करते हुए उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने बुधवार को कलबुर्गी में कहा कि इस घटनाक्रम से उनका कोई सरोकार नहीं है। शिवकुमार ने कहा कि मुझे इससे कोई समस्या नहीं है। मैं डॉ. मंजूनाथ का सम्मान करता हूं। मैंने पूर्व पीएम देवेगौड़ा, उनके बेटे पूर्व सीएम कुमारस्वामी के खिलाफ चुनाव लड़ा था और उनके खिलाफ जीत हासिल की थी। मैंने देवेगौड़ा के खिलाफ महिला उम्मीदवार खड़ा किया था।

प्रदेश के किसानों को खुशहाल और समृद्ध बनाना हमारी प्राथमिकता : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश की डबल इंजन सरकार कृषकों की आमदनी बढ़ाकर उन्हें खुशहाल और समृद्ध करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आते ही सबसे अधिक फैसले किसान हित में लिए हैं। पीएम किसान सम्मान निधि के तहत किसानों के लिए वित्तीय सहायता को 6000 से बढ़ाकर 8000 रूपये प्रतिवर्ष किया गया है तथा गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर 125 रूपए प्रति क्विंटल का अतिरिक्त बोनस देकर इसे 2400 रूपये कर दिया गया है।

शर्मा बुधवार को जयपुर के दुर्गापुरा स्थित राज्य कृषि प्रबंध संस्थान में आयोजित पीएम कुसुम सौर पम्प संयंत्र स्वीकृति-पत्र वितरण समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। समारोह में 500 से ज्यादा किसान उपस्थित थे जिनमें से 10 कृषकों को मुख्यमंत्री और कृषि एवं उद्यानिकी मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने स्वीकृति-पत्र प्रदान किये। विभिन्न जिलों में पंचायत समिति केन्द्रों पर कृषक वीसी के माध्यम से जुड़े। सोलर पम्प के लिए प्रदेश के लगभग 50 हजार किसानों को स्वीकृतियां जारी की गई है, इस पर लगभग 1830 करोड़ रूपये का व्यय होगा, जिसमें से 908 करोड़ रूपये अनुदान के रूप में कृषकों को प्रदान कर लाभान्वित किया जायेगा। इन सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना से लगभग 200 मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे किसानों की कड़ी मेहनत के कारण ही आज राजस्थान ईसबगोल एवं जीरा उत्पादन में देश भर में प्रथम, मैथी, लहसुन एवं सौंफ के उत्पादन में दूसरे तथा अजवाईन एवं धनिया के उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। किसानों की उपज बढ़ाने के लिए राज्य बजट में 12 लाख किसानों को मक्का, 8 लाख किसानों को बाजरा, 7 लाख किसानों को सरसों, 4 लाख किसानों को मूंग एवं 1-1 लाख किसानों को ज्वार एवं मोठ के बीज मिनिकिट निःशुल्क उपलब्ध कराने की घोषणा की गई है। उन्होंने कहा कि उन्नत कृषि यंत्र किसानों को किराये पर उपलब्ध कराने के लिए 500 कस्टम हायरिंग केंद्रों की भी स्थापना की जाएगी।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार ने अपने तीन माह के अल्प कार्यकाल में पानी की समस्या को दूर करने के लिए प्राथमिकता से कार्य किया है। पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी एकीकृत परियोजना तथा शेखावाटी क्षेत्र के लिए ताजेवाला हैडवर्क्स के ऐतिहासिक एमओयू के माध्यम से इन क्षेत्रों में पेयजल एवं सिंचाई हेतु पर्याप्त मात्रा में पानी उपलब्ध हो सकेगा। साथ ही, उदयपुर में देवास बांध परियोजना तृतीय एवं चतुर्थ के माध्यम से दक्षिण राजस्थान में भी जल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी नहर के 15 किलोमीटर लम्बे कच्चे हिस्से को भी पक्का करवाने की मंजूरी दे दी गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों को समय पर और पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित हो इसके लिए हमने किसानों को 100 दिन की कार्ययोजना में 20 हजार से अधिक कृषि कनेक्शन जारी किए हैं। हाल ही में 3 हजार 325 मेगावाट क्षमता की थर्मल आधारित और 28 हजार 500 मेगावाट क्षमता की अक्षय ऊर्जा आधारित विद्युत परियोजनाओं के लिए 1 लाख 60 हजार करोड़ रूपए के एमओयू किए हैं। इन परियोजनाओं की स्थापना के बाद प्रदेश ऊर्जा क्षेत्र में सरप्लस स्टेट बनेगा। हम भविष्य में बिजली खरीदने की बजाय बेचेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन के कारण राज्य की समस्त बिजली कम्पनियों पर ऋण भार बढ़कर डेढ़ गुणा हो गया था।

प्रश्नपत्र लीक मामले में उप निरीक्षक व उसकी प्रशिक्षु बहन गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष जांच दल (एसआईटी) ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती-2021 के प्रश्नपत्र लीक मामले में एक सेवारत पुलिस उप निरीक्षक और उसकी प्रशिक्षु उप निरीक्षक बहन को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। एसआईटी प्रमुख वीके सिंह ने कहा कि 2014 बैच के उप निरीक्षक जगदीश सियाग ने 2021 की उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के लिए अपनी बहन इंदुबाला और चचेरी बहन भगवती के लिए एक 'डमी' उम्मीदवार वर्षा की व्यवस्था की थी। भरतपुर के जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय में तैनात सियाग को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। साथ ही उनकी बहन इंदुबाला को भी गिरफ्तार कर लिया गया जबकि भगवती को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। वर्षा ने इस भर्ती में अपने लिए भी प्रश्नपत्र दिया था। तीनों परीक्षा में उत्तीण हुईं। वर्षा नौकरी ज्वॉइन करने के लिए नहीं आई जबकि भगवती और इंदुबाला प्रशिक्षण कार्यक्रम में शामिल हो गईं। इंदुबाला और भगवती राजस्थान पुलिस अकादमी में प्रशिक्षण ले रही थीं। सिंह ने कहा कि मामले के सिलसिले में अब तक कुल 15 प्रशिक्षु उप निरीक्षकों और एक सेवारत उप निरीक्षक को गिरफ्तार किया गया है।

अपराध मुक्त राजस्थान-भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान के लक्ष्य पर काम करें पुलिस अधिकारी : जवाहर बेढ़म

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। गृह, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी मत्स्य विभाग राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म ने बीकानेर रेंज में अपराध और कानून व्यवस्था संबंधी समीक्षा के लिए मंगलवार को पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक ली।

बैठक में राज्यमंत्री बेढ़म ने कहा कि पुलिस अधिकारी अपराध मुक्त राजस्थान, भ्रष्टाचार मुक्त राजस्थान बनाने की दिशा में राज्य सरकार के लक्ष्य के अनुरूप गंभीरता से काम करें। पुलिस थाना सदर सभागार में आयोजित बैठक में बीकानेर पूर्व विधायक सिद्धि कुमारी, महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज ओमप्रकाश, पुलिस अधीक्षक बीकानेर तेजस्विनी गौतम, पुलिस अधीक्षक गंगानगर गौरव यादव, पुलिस अधीक्षक हनुमानगढ़ विकास सांगवान तथा पुलिस अधीक्षक अनूपगढ़ रमेश मौर्य सहित अन्य अधिकारी उपस्थित हुए।

राज्यमंत्री बेढ़म ने कहाकि गंभीर प्रकृति के अपराधों के प्रकरण ऑफिसर स्कीम में लिए जाएं। नकल गिरोह माफिया और गैंगस्टर्स पर अंकुश लगाने के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि गंभीर अपराधों में संलिप्त अपराधियों की संपत्ति अटैच करने संबंधी कार्रवाई की जाए। उन्होंने बीट प्रणाली को भी सुदृढ़ बनाने के निर्देश दिए। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि सीएलजी सदस्यों का चयन इस प्रकार किया जाए कि समाज के चरित्रवान और प्रतिष्ठित लोग इस कमेटी में शामिल हो सकें और सामाजिक सद्भावना बढ़ाने में अपना योगदान दे सकें। उन्होंने थानों में पड़े जब्तशुदा वाहनों के समयबद्ध निस्तारण के लिए एक विशेष अभियान चलाने के भी निर्देश दिए।

उन्होंने कहाकि आने वाले समय में साइबर अपराध एक बड़ी चुनौती रहेगी इसके मद्देनजर इस तरह के अपराधों की रोकथाम के लिए जन जागरूकता अभियान चलाया जाए। राज्यमंत्री बेढ़म ने महानिरीक्षक बीकानेर रेंज तथा अन्य पुलिस अधीक्षकों से संबंधित क्षेत्र के कानून व्यवस्था के संबंध में फीडबैक भी लिया। राज्यमंत्री ने पुलिस थाना सदर में पदस्थापित पुलिस कर्मियों से मुलाकात कर उनका मनोबल बढ़ाया और उन्हें अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान उन्होंने पुलिस थाने का निरीक्षण किया और पुलिस मैस का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता की भी जांच की।

मुख्यमंत्री ने निम्बाहेड़ा से मंगलवाड तक 4 लेन सड़क निर्माण की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसान भारत की आत्मा हैं और उनकी खुशहाली से ही विकसित भारत की संकल्पना साकार होगी। हमारी केन्द्र और राज्य की डबल इंजन की सरकार प्रदेश के प्रत्येक किसान को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के उद्देश्य से उन्हें पर्याप्त पानी और अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पूर्ण समर्पण एवं सामर्थ्य के साथ कार्य कर रही है।

शर्मा चित्तौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज देश के किसान समृद्धि के वाहक बन रहे हैं। केन्द्र और राज्य की सरकार किसानों की आय बढ़ाने के हर संभव प्रयास कर रही हैं। हमारी सरकार ने गेहूं की एमएसपी पर 125 रुपये का अतिरिक्त बोनस देते हुए 2400 रुपये प्रति क्विंटल करने और किसान सम्मान निधि को 6 हजार से बढ़ाकर 8 हजार रुपये करने जैसे कृषक कल्याण के अहम निर्णय किए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्राथमिकताओं में किसान कल्याण सर्वोच्च हैं। उन्होंने देश में ऐसी योजनाएं शुरू की है जिससे किसान आर्थिक रूप से सशक्त बने और कृषि क्षेत्र की प्रगति दोगुनी रफ्तार से हो।

शर्मा ने कहा कि पूर्ववर्ती राज्य सरकार ने सिंचाई की कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को वर्षों तक लटकाए रखा और किसानों को पर्याप्त पानी की आपूर्ति नहीं हो सकी। हमने सरकार बनते ही एकीकृत ईआरसीपी और यमुना जल समझौते को क्रियान्वित करने का कार्य किया है।

ईआरसीपी पर केन्द्र और मध्य प्रदेश के साथ एमओयू कर इस परियोजना पर तत्परता के साथ कार्य किया जा रहा है। साथ ही, हमारी सरकार ने ताजेवाला हेड वर्क्स से शेखावाटी क्षेत्र में यमुना का पानी लाने की कई दशकों से लंबित परियोजना के लिए ऐतिहासिक एमओयू भी किया है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने उदयपुर में देवास तृतीय एवं चतुर्थ परियोजना की नींव रखी है, जिससे आने वाले समय में उदयपुर की झीलों में जल उपलब्धता के साथ ही चित्तौड़गढ़, राजसमंद सहित राजस्थान के विभिन्न जिलों की पेयजल की समस्या का समाधान भी होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर हैं। उन्होंने कहा कि आज जैसलमेर के पोकरण में आयोजित हुए भारत शक्ति अभ्यास के तहत भारतीय सेनाओं के शौर्य प्रदर्शन ने राजस्थान के स्वाभिमान को बढ़ाया है। इससे पहले भी पोकरण पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी के समय ऐतिहासिक परमाणु परीक्षण का साक्षी बना था।

सरिस्का में बाघों की संख्या बढ़ी, तीन नए शावक नजर आए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के सरिस्का बाघ अभयारण्य में तीन नए बाघ शावक नजर आए हैं जिससे इस विख्यात अभयारण्य में बाघों की कुल संख्या बढ़कर 33 हो गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को 'एक्स' पर इस बारे में एक तस्वीर साझा करते हुए लिखा, शानदार खुशखबरी... सरिस्का बाघ अभयारण्य के तालवृक्ष रेंज में बाघिन 'एसटी 12' को तीन नए शावकों के साथ कैमरे में कैद किया गया है। उन्होंने लिखा कि इसके साथ ही अब सरिस्का में कुल 25 वयस्क बाघ और 8 शावक हैं।

उन्होंने यह भी लिखा, पारिस्थितिकी तंत्र के लिए प्रकृति के अद्वितीय विरासत, बाघों का होना अत्यंत आवश्यक है। शक्ति, खूबसूरती व सामर्थ्य के प्रतीक, 'राष्ट्रीय पशु' बाघ के संरक्षण-संवर्धन हेतु हमारी सरकार संकल्पबद्ध है।' दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत शृंखला अरावली में सरिस्का अभयारण्य 1213.34 वर्ग किलोमीटर में फैला है। सरिस्का में 2005 में कोई बाघ नहीं बचा था। यहां फिर से बाघों की बसावट के लिए, साल 2008 में सवाई माधोपुर जिले के रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान से दो बाघ-बाघिन को लाकर बाघ पुनर्वास कार्यक्रम शुरू किया गया था। सरिस्का में बाघों के अलावा तेंदुए की बड़ी आबादी है। सरिस्का में सांभर, चीतल, नीलगाय और लंगूर आदि भी पाये जाते हैं।

समाज का कोई भी वर्ग केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित नही रहे : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा की अध्यक्षता में करौली सूचना केन्द्र के टाउन हॉल में बुधवार को वंचित वर्गों के उद्यमियों को ऋण सहायता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम मे माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वंचित वर्गो के लिये आउटरीच कार्यक्रम के तहत पीएम सूरज पोर्टल का शुभारंभ किया एवं लाभार्थियों को लाभान्वित किया।

कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री डॉ प्रेमचंद बैरवा ने कहा कि देशभर में पिछले दस वर्षो से सामाजिक न्याय अधिकारिता मंत्रालय ने हाशिए पर रहने वाले छात्रों के लिए अनुसूचित जाति, अन्य पिछड़ा वर्ग और सफाई कर्मचारियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है। इसके अलावा मंत्रालय द्वारा सीमांत वर्गों के सशक्तिकरण पर जोर देते हुए रियायती दर पर ऋण के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।उन्होने कहा कि समाज का कोई भी वर्ग केन्द्र व राज्य सरकार की योजनाओं से वंचित नही रहे।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग के द्वारा शैक्षिक, आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण के साथ-साथ समाज के सामाजिक रूप से वंचित और हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लोगों के पुनर्वास के अवसर प्रदान करने का अधिकार है। इसके द्वारा विभाग विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों के साथ, हाइब्रिड मोड में, एक राष्ट्रव्यापी आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किया गया है।कार्यक्रम के दौरान उपमुख्यमंत्री ने लाभार्थियों को चैक एवं आयुष्मान कार्ड का वितरण भी किया। उन्होंने बताया कि हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लिए सुगम ऋण के लिए एक परेशानी मुक्त और निर्बाध तंत्र सुनिश्चित करने के लिए और एकीकृत पीएम सूरज पोर्टल माननीय प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किया गया।

उप मुख्यमंत्री बैरवा ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों और केद्र शासित प्रदेशों में तीन राष्ट्रीय निगमों की ऋण सहायता योजनाओं के तहत देश भर में लगभग 660 करोड रूपये के कुल परिव्यय के साथ एक लाख से अधिक लाभार्थियों को कवर करने का प्रस्ताव है । इसके लिए 525 जिलों में लाभार्थियों को राष्ट्रीय निगमों की रियायती ब्याज दरों पर दी जा रही ऋण सहायता के बारे में कई क्षेत्रीय भाषाओं में एसएमएस संदेश भेजे जाएंगे। एसएमएस के बाद, लाभार्थियों को फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, जिससे वे अपना उद्यम शुरू कर सकेंगे। इसके अलावा, सफाई कर्मचारी समाज के सबसे वंचित वर्गों में से हैं, जिनके पास न्यूनतम सामाजिक सुरक्षा है, जो अस्वच्छता और तनावपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं।

31 मेजर मिनरल ब्लॉकों की सफल नीलामी के साथ माइनिंग सेक्टर में राजस्थान ने रचा नया इतिहास

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य मंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने मेजर मिनरल ब्लॉक्स की नीलामी में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राजस्थान के माइंस एवं भूविज्ञान विभाग ने इस वित्तीय वर्ष में 13 मार्च तक भारत सरकार के ईपोर्टल के माध्यम से 31 मेजर मिनरल्स ब्लॉकों का सफल ऑक्शन कर नया रेकार्ड बना लिया है। खान सचिव श्रीमती आनन्दी ने बताया कि 21 फरवरी से 13 मार्च के दौरान ही लाइमस्टोन के 15 ब्लॉकों की सफल नीलामी हो चुकी है।

माइंस सचिव श्रीमती आनन्दी ने बताया कि खान मंत्रालय से जारी प्रगति रिपोर्ट के अनुसार इस वित्तीय वर्ष में एक मार्च 2024 तक मध्यप्रदेश और राजस्थान में 22-22 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी हुई थी। इसके बाद प्रदेश में 9 और ब्लॉकों की सफल नीलामी से 13 मार्च तक राजस्थान में कुल 31 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी हो चुकी है जो समूचे देश में सर्वाधिक है। इससे पहले गत वित्तीय वर्ष में मध्यप्रदेश में सर्वाधिक 29 और छत्तीसगढ़ में 20 ब्लाकों की नीलामी हुई थी जबकि राजस्थान में गत वर्ष मेजर मिनरल के 8 ब्लॉकों की ही नीलामी हुई थी जो नए प्रावधानों के बाद सर्वाधिक थी। गत वर्ष देश भर में 105 मेजर मिनरल ब्लॉकों की नीलामी हुई थी। उड़ीसा में सर्वाधिक 25 मिनरल ब्लॉकों की नीलामी 2019-20 में हुई थी।

श्रीमती आनन्दी ने बताया कि केन्द्र सरकार का भी मेजर मिनरल्स के ब्लॉकों की नीलामी पर जोर रहा है और राज्यों को अधिक से अधिक मिनरल ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन करने और उसकी मॉनिटरिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि देश के राजस्थान सहित 13 प्रदेशों में मिनरल ब्लॉक्स की तैयारी व ऑक्शन की मासिक समीक्षा की जाती है। नयी सरकार बनते ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के लिए अभियान चलाने के निर्देश के साथ ही अधिक से अधिक ब्लॉक तैयार कर नीलामी पर जोर दिया ताकि वैध खनन को बढ़ावा दिया जा सके।

राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अविनाश गहलोत, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री की अध्यक्षता में बुधवार को अंबेडकर भवन स्थित निदेशालय के सभागार में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति व अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के बेहतर संचालन, सुधार एवं सुझाव हेतु इन वर्गों के सामाजिक प्रतिनिधियों के साथ बैठक आयोजित की गई है। राज्य सरकार के नीतिगत दस्तावेज संकल्प पत्र 100 दिवस कार्य योजना की अनुपालना में बैठक का आयोजन किया गया।

अविनाश गहलोत ने बैठक में आए विभिन्न वर्गों के समाज से आए प्रतिनिधियों का स्वागत किया और संचालित योजनाओं के बेहतर संचालन के लिए उनके सुझाव आमंत्रित किए। राज्य सरकार समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है।बैठक में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के प्रतिनिधियों ने विभिन्न सुझाव दिए जिनमे एससी एसटी विकास कोष में सुधार करने, नियमित रूप से छात्रवृति मिलने, पेंशन राशि नियमित और समय पर, ओबीसी वर्ग को पूर्ण आरक्षण मिले, कुछ जातियों के नामों में आ रही विसंगतियों को दूर करने आदि संबंधी सुझाव शामिल है।

मिश्र को 'रोल ऑफ होलिस्टिक मेडिसिन इन प्रेजेंट टाइम' पुस्तक की प्रथम प्रति भेंट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र को बुधवार को यहां सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के पूर्व अतिरिक्त निदेशक डॉ. गोविन्द पारीक ने अपनी लिखी पुस्तक 'रोल ऑफ होलिस्टिक मेडिसिन इन प्रेजेंट टाइम' पुस्तक की प्रथम प्रति भेंट की। मिश्र को डा पारीक ने राजभवन में इस पुस्तक की प्रति भेंट की। राज्यपाल ने पुस्तक की सराहना की। इस अवसर पर डा पारीक ने बताया कि पारम्परिक भारतीय चिकित्सा पद्धतियों की वर्तमान समय में उपयोगिता के आलोक में गहन शोध करके इस पुस्तक का लेखन किया गया है। उन्होंने बताया कि पुस्तक में चरक, सुश्रुत और अन्य भारतीय विद्वानों के संदर्भों से भारतीय चिकित्सा विज्ञान से जुड़ी संस्कृति पर महती विमर्श के साथ ही आधुनिक संदर्भों में हमारे समृद्ध चिकित्सकीय ज्ञान की उपयोगिता पर महती निष्कर्ष दिए गए हैं। इस मौके संस्कृति युवा संस्थान के अध्यक्ष सुरेश मिश्रा भी इस दौरान मौजूद थे और उन्होंने पुस्तक को पाठकों के लिए उपयोगी और संदर्भ से जुड़ी महत्वपूर्ण कृति बताया।

सरकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा फायदा समाज के वंचित वर्ग को मिला : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा फायदा अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) जैसे वंचित वर्गों के लोगों को मिला है।

उन्होंने वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से 'पीएम-सूरज' राष्ट्रीय पोर्टल की शुरुआत के मौके पर दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और जनजातीय समाज से आने वाली राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के चयन का जिक्र करते हुए कहा कि वंचित तबके के लोगों को शीर्ष पदों तक पहुंचाने के लिए भाजपा के प्रयास जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि विपक्षी दलों ने कोविंद और मुर्मू की हार सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव कोशिश की। विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों से पूछा, कोई कैसे कह सकता है कि मेरा कोई परिवार नहीं है। जब मेरे पास आप जैसे भाई और बहन हैं?

कार्यक्रम में शामिल लोगों में वंचित समूहों के लोग बड़ी संख्या में मौजूद थे।

प्रधानमंत्री ने कहा कि शौचालय और रसोई गैस के लिए उनकी सरकार की योजनाओं से समाज के वंचित तबके को फायदा हुआ है। उन्होंने कहा, एससी, एसटी, ओबीसी गरीबों के लिए सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के सबसे बड़े लाभार्थी हैं।

प्रधानमंत्री सामाजिक उत्थान और रोजगार आधारित जनकल्याण (पीएम-सूरज) राष्ट्रीय पोर्टल का उद्देश्य अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों और स्वच्छता श्रमिकों सहित देश भर में पात्र व्यक्तियों को ऋण सहायता प्रदान करना है।

इस पहल का उद्देश्य समाज के सबसे वंचित वर्गों का उत्थान करना है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा, पिछली सरकार में लाखों-करोड़ रुपए के घोटाले किए गए। हमारी सरकार ये पैसा दलित, वंचित के कल्याण और देश के निर्माण के लिए खर्च कर रही है। उन्होंने कहा, आज वंचित वर्ग से जुड़े एक लाख लाभार्थियों के खातों में 720 करोड़ रुपए की सहायता राशि सीधे उनके बैंक अकाउंट में भेजी गई है। पहले की सरकारों में ऐसा कोई सोच भी नहीं सकता था कि इधर बटन दबाया और उधर पैसे गरीबों के बैंक खातों में पहुंच गए, लेकिन ये मोदी की सरकार है, गरीबों का पैसा सीधे उनके खातों में पहुंचता है।

उन्होंने कहा कि आज दलित, पिछड़े और वंचित समाज के कल्याण की दिशा में देश एक और बड़े अवसर का साक्षी बन रहा है। उन्होंने कहा, जब वंचितों को वरीयता की भावना हो, तो कैसे काम होता है, वो इस आयोजन में दिखाई दे रहा है।

प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के दौरान मशीनी स्वच्छता व्यवस्था के लिए राष्ट्रीय कार्रवाई (नमस्ते) योजना के अंतर्गत सफाई मित्रों (सीवर और सेप्टिक टैंक श्रमिकों) को आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड और पीपीई किट भी वितरित की।

कार्यक्रम में विभिन्न सरकारी योजनाओं के वंचित समूहों के लगभग तीन लाख लाभार्थी देश भर के 500 से अधिक जिलों से शामिल हुए।

कांग्रेस एवं सपा बोझ, इन्हें स्वीकार न करिए : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उन्नाव (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यदि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) गरीबों के लिए कुछ नहीं कर सकती है तो लोगों को इन दलों पर 'अपना वोट खराब नहीं करना चाहिए'।

उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा, कांग्रेस और सपा रामलला का मंदिर नहीं बना सकती। जब वे गरीबों को राशन, मकान, स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं करा सकते हैं और राम मंदिर का निर्माण कर आस्था को सम्मान नहीं दे सकते हैं तो आप अपना वोट खराब कर उन्हें बोझ के रूप में क्यों स्वीकार करते हैं। जो बिना भेदभाव कार्य करे, सत्ता में आने का अधिकार उसे ही होना चाहिए। देश में एक ही आवाज है, 2024 में फिर एक बार-मोदी सरकार। योगी ने जवाहर नवोदय विद्यालय परिसर में 241.26 करोड़ रुपए की 103 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया और सातन पासी के किले के पुनरुद्धार की बात भी कही। मुख्यमंत्री ने विकसित भारत को संकल्प बना लेने का आह्वान करते हुए कहा, हर नागरिक के लिए प्रधानमंत्री ने पंच प्रण की बात की। कर्तव्यों का निर्वहन तभी हो पाएगा, जब व्यक्ति संविधान पर विश्वास करेगा, जब उसके लिए देश सर्वोपरि हो। हम सभी का लक्ष्य देश प्रथम होना चाहिए। भारत का पहले दुनिया में सम्मान नहीं था, लोग टिप्पणी करते थे, लेकिन 10 वर्ष में भारत प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में विकास की नित नई बुलंदियों को छूता दिख रहा है।

सीएए की आलोचना करने वाले दलों में कोई मानवता नहीं बची : गृह राज्य मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) की अधिसूचना की आलोचना करने पर विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए बुधवार को दावा किया कि ''उनके भीतर मानवता मर चुकी है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता राय ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सीएए की अधिसूचना के साथ ''अपना वादा पूरा किया'' है, जबकि विपक्ष ''तुष्टिकरण की राजनीति'' में लिप्त है और उसे बस अपने ''वोट बैंक'' की चिंता है। राय ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने अफगानिस्तान, पाकिस्तान और बांग्लादेश में उत्पीड़न का सामना कर रहे अल्पसंख्यकों को मदद देने का वादा किया था। उनकी संपत्ति लूटी जा रही थी। इन समुदायों से संबंधित महिलाओं का सम्मान खतरे में था। प्रधानमंत्री ने एक वादा किया था और उन्होंने अब उसे पूरा भी कर दिया है। लेकिन विपक्षी दलों को उनकी तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति के कारण सीएए अधिसूचना से समस्या हो रही है। ऐसा लगता है कि उनके भीतर मानवता मर चुकी है। भाजपा की बिहार इकाई के अध्यक्ष रह चुके राय ने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सब कुछ ठीक है और गठबंधन बहुत जल्द सीट बंटवारे की घोषणा करेगा। वह राज्य में सहयोगियों के साथ मतभेदों को दूर करने को लेकर सक्रिय रहे हैं।

भाजपा के साथ सीट बंटवारे को अंतिम रूप दिया गया : पासवान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बुधवार को कहा कि उनकी पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ सीट बंटवारे के फार्मूले को अंतिम रूप दे दिया है।

पासवान ने भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात के बाद यह घोषणा की। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा, भाजपा ने मेरी सभी चिंताओं का समाधान किया है। मैं संतुष्ट हूं। उन्होंने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल पर फैसला हो गया है और जल्द ही इसकी औपचारिक घोषणा की जाएगी। अपने

चाचा पशुपति पारस के नेतृत्व वाले लोजपा गुट के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर चिराग पासवान ने कहा, यह मेरी चिंता का विषय नहीं है।

इससे पहले, उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजग के सदस्य के रूप में आज भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा जी के साथ बैठक में हमने आगामी लोकसभा चुनावों के लिए बिहार में सीट बंटवारे को अंतिम रूप दे दिया है। उन्होंने कहा, उचित समय पर इसकी जानकारी दी जाएगी।

भाजपा ने अरुणाचल की सभी 60 सीट के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की, तीन मंत्रियों के नाम काटे

नई दिल्ली/ईटानगर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अरुणाचल प्रदेश के आगामी विधानसभा चुनाव के लिए बुधवार को सभी 60 सीट पर उम्मीदवारों की घोषणा कर दी जिनमें 16 नए चेहरे शामिल हैं। कांग्रेस का दामन छोड़ हाल ही में भाजपा में शामिल हुए तीन विधायकों को भी उम्मीदवारों की सूची में जगह मिली है। पार्टी ने चार महिलाओं को भी उम्मीदवार बनाया है जिनमें से एक पहली बार चुनाव मैदान में किस्मत आजमाएंगी। मौजूदा सरकार में गृहमंत्री बमांग फेलिक्स (न्यापिन सीट), उद्योग मंत्री तुमके बागरा (आलो पश्चिम) और कृषि मंत्री तागे ताकी (जीरो-हापोली) को पार्टी ने इस बार टिकट नहीं दिया है।

पार्टी ने शेरिंग लामू को लूमला, न्याबी जिनी दिरची को बसार, दासांग्लू पुल को हायूलियांग और चकत अबोह को खोंसा पश्चिम सीट से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा ने पिछले हफ्ते केंद्रीय मंत्री किरेन रिजीजू और तापिर गाओ को क्रमश: अरुणाचल पश्चिम और अरुणाचल पूर्व लोकसभा सीट से पार्टी उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। अरुणाचल प्रदेश में लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे। भाजपा ने मौजूदा विधायक लाइसम सिमाई (नामपोंग), केंटो रीना (नारी-कोयू), त्सेरिंग ताशी (तवांग) और लोकम तसर (कोलोरियांग) को इस बार टिकट नहीं दिया है।

पार्टी ने मौजूदा महिला विधायकों गम तायेंग (दंबुक) और जुमम एते देवरी (लेकांग) का टिकट भी काट दिया है।

हाल ही में कांग्रेस छोड़ भाजपा में शामिल हुए तीन विधायकों को भी उम्मीदवार बनाया गया है। निनॉन्ग एरिंग को पासीघाट पश्चिम से, लोम्बो तायेंग को मेबो से और वांग्लिंग लोवांगडोंग को बोरदुरिया-बोगापानी से चुनावी मैदान में उतारा गया है।

सीएए का संबंध एनआरसी से है : ममता बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) से जुड़ा हुआ है, इसलिए वह इसका विरोध कर रही हैं। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि वह असम जैसे हिरासत केंद्र (डिटेंशन कैंप) पश्चिम बंगाल में नहीं चाहती हैं। उन्होंने कहा सीएए का संबंध एनआरसी से है इसलिए हम इसका विरोध कर रहे हैं। बनर्जी ने यह भी दावा किया कि सीएए लोकसभा चुनाव से पहले एक राजनीतिक चाल है।

नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से 31 दिसंबर, 2014 से पहले भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों- हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाई समुदायों के लोगों को भारत की नागरिकता प्रदान करने की अनुमति देता है। जलपाईगुड़ी में एक प्रशासनिक बैठक को संबोधित करते हुए बनर्जी ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नागरिकता प्रक्रिया अन्य देशों से अलग है। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने सीएए के दायरे से मुसलमानों को बाहर करने की आलोचना की और कहा कि इसका उद्देश्य देश की आबादी के बीच विभाजन पैदा करना है। उन्होंने कहा ''सीएए का उद्देश्य देश के लोगों को विभाजित करना है। उन्होंने कहा कि सीएए आवेदन प्रक्रिया में स्पष्टता की कमी है।

वर्ष 2014 के बाद से निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता खत्म हो गई है : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव में 'देरी' के खिलाफ प्रदर्शन करने की कोशिश के चलते नेशनल पैंथर्स पार्टी के अध्यक्ष हर्ष देव सिंह को पुलिस द्वारा हिरासत में लिए जाने के बाद बुधवार को आरोप लगाया कि वर्ष 2014 के बाद से निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता खत्म हो गई है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह दावा भी किया कि वीवीपैट के मुद्दे पर निर्वाचन आयोग 'इंडिया' गठबंधन के घटक दलों को मिलने से इनकार कर रहा है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त राजीव कुमार के नेतृत्व में निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की एक टीम केंद्र शासित प्रदेश में आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए बुधवार को जम्मू-कश्मीर पहुंची थी। इस दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस ने नेशनल पैंथर्स पार्टी (एनपीपी) के अध्यक्ष और पूर्व मंत्री हर्ष देव सिंह को उनके कई समर्थकों के साथ हिरासत में लिया है।

ओडिशा सरकार राज्य के पद्म पुरस्कार सम्मानितों को 25 हजार रुपए मासिक सम्मान राशि प्रदान करेगी

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने पद्म पुरस्कार से सम्मानित राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को 25,000 रुपए मासिक सम्मान राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने एक बयान में कहा कि समाज में पुरस्कार सम्मानितों के महत्वपूर्ण योगदान को मान्यता देते हुए मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने उन्हें इस साल अप्रैल से 25,000 रुपए सम्मान राशि देने का फैसला किया है।

भारत के शीर्ष नागरिक सम्मानों में से एक पद्म पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के माध्यम से देश का नाम रोशन किया है। अब तक, ओडिशा की 105 हस्तियों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है, जिनमें 90 पद्म श्री, 11 पद्म भूषण और चार पद्म विभूषण शामिल हैं।

टिकट बंटवारे को लेकर नाराजगी जताने पर ममता ने छोटे भाई से तोड़ा संबंध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को अपने छोटे भाई बाबुन बनर्जी से सभी संबंध तोड़ने का ऐलान किया। ममता का यह कदम उनके भाई द्वारा पश्चिम बंगाल की हावड़ा लोकसभा सीट से पार्टी द्वारा प्रसून बनर्जी को फिर प्रत्याशी बनाने पर नाखुशी जताने के बाद आया है। बनर्जी ने जलपाईगुड़ी में संवाददाताओं से बातचीत में यह टिप्पणी की।

पार्टी के उम्मीदवारों के चयन के खिलाफ बोलने के लिए अपने छोटे भाई पर निशाना साधते हुए बनर्जी ने कहा, हर चुनाव से पहले, वह समस्या पैदा करते हैं। मुझे लालची लोग पसंद नहीं हैं। मैं

वंशवाद की राजनीति में विश्वास नहीं करती कि मैं उन्हें चुनाव में टिकट दूंगी। मैंने उनके साथ सभी रिश्ते खत्म करने का फैसला किया है। मीडिया में उनके (बाबुन बनर्जी के) भाजपा में जाने की अटकलों को लेकर चल रही खबरों के बारे में पूछे जाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने कहा, वह जो चाहें, कर सकते हैं। पार्टी अपने आधिकारिक उम्मीदवार प्रसून बनर्जी के साथ खड़ी है। बाबुन बनर्जी इस समय नई दिल्ली में हैं। उन्होंने हालांकि उन अटकलों से इनकार किया कि वह भाजपा में जा सकते हैं, लेकिन कहा कि वह हावड़ा सीट से निर्दलीय के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने पर विचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा, मैं हावड़ा लोकसभा सीट से उम्मीदवार के चयन से खुश नहीं हूं। प्रसून बनर्जी सही विकल्प नहीं हैं। ऐसे कई योग्य उम्मीदवार थे जिन्हें नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने कहा, प्रसून ने मेरा जो अपमान किया था, मैं कभी उसे नहीं भूल सकता।पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी प्रसून बनर्जी हावड़ा सीट का दूसरी बार लोकसभा में प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उन्हें तीसरी बार भी तृणमूल कांग्रेस से उम्मीदवार बनाया गया है।

मुख्यमंत्री के छोटे भाई बनर्जी ने कहा कि वह हावड़ा के पंजीकृत मतदाता हैं। मैं जानता हूं कि दीदी (ममता बनर्जी) मुझसे सहमत नहीं होंगी। लेकिन अगर जरूरत पड़ी तो मैं हावड़ा लोकसभा सीट से निर्दलीय चुनाव लड़ूंगा।

वाराणसी की अदालत ने सुनायी मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास की सजा

वाराणसी (उप्र)/भाषा। वाराणसी की एक अदालत ने बुधवार को तीन दशक पुराने फर्जी बंदूक-लाइसेंस मामले में गैंगस्टर-राजनेता मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। जिला सरकारी वकील विनय सिंह ने बताया, न्यायाधीश अवनीश गौतम की विशेष एमपी-एमएलए अदालत ने फर्जी बंदूक लाइसेंस मामले में दोषी ठहराते हुए मुख्तार अंसारी को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अंसारी के खिलाफ यह मामला दिसंबर 1990 में गाजीपुर जिले के मोहम्मदाबाद थाने में भादंसं की धाराओं 467 (जालसाजी), 468 (धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी) और 120 बी (आपराधिक साजिश) के साथ-साथ हथियार अधिनियम की धाराओं के तहत दर्ज किया गया था। मुख्तार अंसारी बांदा जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से अदालती कार्यवाही में शामिल हुआ, जहां वह वर्तमान में बंद है। मऊ सदर सीट से पांच बार विधायक रहे अंसारी ने 2022 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा और यह सीट उसके बेटे अब्बास अंसारी ने सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के टिकट पर जीती, जिसने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया था।

घर में बैठ कर दूसरों को खेलते देखना काफी मुश्किल था : करुण नायर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। ' प्रिय क्रिकेट, मुझे एक और मौका दो' यह बातें भारत के लिए टेस्ट में तिहरा शतक जड़ने वाले करुण नायर ने उस समय कही थी जब उनकी घरेलू टीम कर्नाटक ने उन्हें 2022-23 सत्र में बाहर का रास्ता दिखा था। एक सत्र तक खेल से दूर रहने के बाद नायर को विदर्भ ने मौका दिया और दायें हाथ के मध्यक्रम के इस बल्लेबाज ने हर प्रारूप में रन बनाकर अपनी नई टीम को निराश नहीं किया। रणजी ट्रॉफी फाइनल में बुधवार को चौथे दिन के खेल के दौरान 220 गेंद में 74 रन की जुझारू पारी खेलने के बाद भावुक हुए नायर ने कहा कि 'घर में बैठ कर दूसरे खिलाड़ियों को खेलते देखना' उनके लिए काफी मुश्किल था।

नायर मौजूदा सत्र में दो बार की चैम्पियन टीम के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी है। उन्होंने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा, मुझे लगता है कि मैंने काफी अच्छी बल्लेबाजी की है। मैंने सभी प्रारूपों में रन बनाए हैं। इस सत्र में काउंटी चैंपियनशिप में भी कुछ मैच खेलकर काफी रन बनाए हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने वहां (काउंटी क्रिकेट) रन बनना शुरू किया तो इससे मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा। मैंने ओवल मैदान में बल्लेबाजी के लिए मुश्किल परिस्थितियों में 150 रन की पारी खेली थी। इससे से सत्र से पहले मेरा आत्मविश्वास काफी बढ़ा। उन्होंने कहा, मैं एक सत्र तक खेल से दूर रहा। मुझे नहीं पता इसे कैसे कहना चाहिए लेकिन घर में बैठ कर दूसरों को खेलते देखना कठिन था।

वीरेंद्र सहवाग के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए तिहरा शतक जड़ने वाले सिर्फ दूसरे बल्लेबाज बने नायर ने कहा उन्होंने अब भी भारतीय टीम में वापसी की उम्मीद है।

इस 32 साल के बल्लेबाज ने कहा, शत प्रतिशत, मैं वापसी कर सकता हूं। अगर ऐसा नहीं होता तो मैं इतनी मेहनत कर के घरेलू क्रिकेट में वापसी नहीं करता। मुझे लगता है कि मैं फिर से भारत के लिए खेल सकता हूं। यह अपने प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने के बारे में है।

मणिपुर में स्वयंभू सेना प्रमुख सहित यूएनएलएफ (पी) के दो सदस्य गिरफ्तार : अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इम्फाल/भाषा। मणिपुर में पुलिस, राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने एक संयुक्त अभियान में यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट (पी) (यूएनएलएफ-पी) के दो अहम सदस्यों को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि प्रतिबंधित संगठन के स्वयंभू सेना प्रमुख थोकचोम थोइबा और यूएनएलएफ (पी) से जुड़े लेफ्टिनेंट कर्नल लाइमायुम इंगबा को संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तार किया गया है।

थोइबा और इंगबा को गिरफ्तार करने के तुरंत बाद विमान से दिल्ली ले जाया गया, जहां एनआईए के अधिकारी उनसे पूछताछ करेंगे। थोइबा ने पिछले साल नवंबर में केंद्र के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे, जिसके बाद से वह यूएनएलएफ (पी) का हिस्सा नहीं था।

के. पाम्बेई के नेतृत्व वाले यूएनएलएफ (पी) ने 29 नवंबर, 2023 को इम्फाल घाटी में सरकार के साथ युद्धविराम समझौता और हिंसा छोड़ने पर सहमति जताई थी।

सुरक्षा एजेंसियों ने मणिपुर में यूएनएलएफ द्वारा की जा रही बढ़ती हिंसा पर सवाल उठाए थे।

सरकार से समझौता होने के बाद भी संगठन ने न तो अपने कैडर की संख्या के बारे में कोई जानकारी साझा की और न ही हथियार सौंपे।

अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा अधिकारियों को खुफिया सूचना मिली थी कि समूह के सदस्य आदिवासी समुदाय को निशाना बनाने के उद्देश्य से मुख्य रूप से कुकी आबादी वाले क्षेत्रों के बाहरी इलाके में शिविर स्थापित कर रहे हैं, जिसके बाद अधिकारियों ने जांच के दौरान पाया कि यूएनएलएफ (पी) कैडर सुरक्षा बलों और आम जनता दोनों के खिलाफ हिंसक गतिविधियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने 13 फरवरी को पूर्व मणिपुर के चिंगारेल में पांचवीं भारत रिजर्व बटालियन (आईआरबी) से हथियार और गोला-बारूद लूटे थे।

इस घटना के बाद, पुलिस ने यूएनएलएफ के दो कैडर सहित छह लोगों को गिरफ्तार किया था। वहीं, अब ये मामला केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित किया जा सकता है।

यूएनएलएफ (पी) कैडर को मोइरंगपुरेल, तुमुहोंग और इथम जैसे विभिन्न क्षेत्रों में देखा गया था, जिससे यह पता चला कि उन्होंने हिंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए मोइरंगपुरेल और इथम में शिविर स्थापित किए हैं।

यूएनएलएफ (पी) और सुरक्षा बलों के बीच शत्रुता को समाप्त करने के उद्देश्य से संघर्ष विराम समझौते के बावजूद, हाल की घटनाओं से पता चलता है कि यूएनएलएफ (पी) कैडर अपने स्वचालित हथियारों के साथ स्वतंत्र रूप से आ-जा रहे हैं।

मणिपुर में मेइती और कुकी के बीच पिछले साल मई से अब तक जारी संघर्ष में 219 लोगों की मौत हुई है।

यूएनएलएफ की स्थापना 1964 में की गई थी। यह भारतीय क्षेत्र के भीतर और बाहर दोनों जगह सक्रिय रहा है। वहीं, भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने क्षेत्र में उग्रवाद को खत्म करने और विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्वोत्तर में कई सशस्त्र समूहों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

सुविचार

कभी हारने का इरादा हो तो, उन लोगों को याद कर लेना, जिन्होंने कहा था तुमसे नहीं होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हकीकत से कोसों दूर

मालदीव की संप्रभुता की रक्षा करने के संबंध में दिया गया चीन का बयान हकीकत से कोसों दूर है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन के बयान कि 'चीन मालदीव की क्षेत्रीय संप्रभुता की रक्षा करने और स्वतंत्र रूप से सभी पक्षों के साथ मैत्रीपूर्ण सहयोग करने में उसका समर्थन करता है', पर उनसे यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि – चीन ने तिब्बत की संप्रभुता का कितना सम्मान किया? अगर उसके हृदय में दूसरे देशों की संप्रभुता के लिए इतना ही सम्मान है तो वह तिब्बत को आजाद क्यों नहीं कर देता? वह क्यों उस पर कुंडली मारकर बैठा है? चीन क्यों हर साल भारत के साथ सीमा विवाद को भड़काता है और उसके इलाकों पर कुदृष्टि रखता है? सवाल तो कई हैं, लेकिन उन सबकी जगह यही कहा जाना चाहिए कि चीनी माल की तरह चीनी विदेश मंत्रालय का उक्त बयान भी नकली है। यह निश्चित है कि समय आने पर ड्रैगन मालदीव को धोखा देगा। वह उस पर कर्ज का बोझ लादकर उसके इलाकों पर कब्जा करना चाहता है। अगर चीन अपने इन मंसूबों में कामयाब हुआ तो वह स्थिति भारत के लिए तो चुनौतीपूर्ण होगी ही, वहीं मालदीव के लोग न घर के रहेंगे, न घाट के! एक तरफ उनकी सरकार भारत से संबंध बिगाड़ चुकी होगी, दूसरी तरफ चीन सख्ती दिखाकर अपने कर्ज की 'वसूली' करेगा। वह न तो मालदीव की संस्कृति का सम्मान करेगा और न ही नागरिकों के साथ गरिमापूर्ण व्यवहार करेगा। उस दिन मालदीव की सरकार मदद के लिए किसके सामने हाथ फैलाएगी?

चीन सरकार के रवैए को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर के इस बयान से भलीभांति समझा जा सकता है कि 'पिछले चार साल के तनाव से न तो भारत को कुछ हासिल हुआ और न ही चीन को ...।' चीन ने जिस तरह सीमा विवाद को हवा दी और गलवान में षड्यंत्रपूर्वक भारतीय सैनिकों पर हमला किया, उससे दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट आई। दोनों ओर से कई दौर की बातचीत के बावजूद संबंध मधुर नहीं हो पाए हैं, क्योंकि चीन चाहता ही नहीं कि संबंधों में मधुरता आए। यह उसकी रणनीति का हिस्सा है, जिसे 'सुन त्ज़ू' कहा जाता है। इसके तहत चीन अपने प्रतिद्वंद्वियों / शत्रुओं पर कई तरीकों से मनोवैज्ञानिक दबाव डालने की कोशिश करता है। वह खुद को बहुत शक्तिशाली की तरह पेश करते हुए यह भ्रम फैलाता है कि उसकी सेना अजेय है, उसके सामने कोई टिक नहीं सकता। वह अपनी कमजोरियां छिपाता है और दुष्प्रचार के जरिए प्रतिद्वंद्वियों / शत्रुओं पर धाक जमाने का दांव चलता है। भारत के साथ भी उसने यही करने की कोशिश की, लेकिन भारत सरकार ने 'चीनी गुब्बारे' की हवा निकाल दी। जब जून 2020 में गलवान घाटी में झड़प हुई तो चीन यह आशा कर रहा था कि भारत की ओर से बहुत नरम शब्दों वाला बयान आएगा, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था– 'देश को गर्व है, हमारे जवान मारते–मारते मरे हैं।' उसके बाद विभिन्न अवसरों पर भारत सरकार के रुख में सख्ती दिखाई दी। जब पीएलए के जवानों ने तवांग सेक्टर में घुसपैठ की कोशिश की तो भारतीय जवानों ने उनका खूब 'स्वागत–सत्कार' किया था, जिसके बाद वे उल्टे पांव लौटने को मजबूर हो गए थे। नत्थी वीजा मामले में भी भारत ने चीन को कड़ा जवाब दिया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अरुणाचल प्रदेश की हालिया यात्रा पर भी चीन ने आपत्ति की, जिसे दृढ़ता से खारिज करते हुए कहा गया कि यह राज्य हमेशा भारत का अभिन्न एवं अविभाज्य हिस्सा 'था, है और रहेगा।' चीन की गीदड़–भभकियों का इसी तरह जवाब देना चाहिए। वह अन्य देशों पर धौंस जमा सकता है। भारत के सामने उसकी दाल नहीं गलने वाली।

ट्वीटर टॉक

यह ऐतिहासिक घोषणा है, क्योंकि नवयुग प्रवर्तक यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हैदराबाद मुक्ति आंदोलन के शहीदों के सम्मान में हर वर्ष 17 सितंबर को हैदराबाद मुक्ति दिवस के रूप में मनाने का फैसला किया है।

–सीपी जोशी

सांचौर में दर्दनाक सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के तीन सदस्यों की मृत्यु की खबर सुनकर गहरा शोक पहुंचा। मेरी संवेदनाएं मृतकों के शोक संतप्त परिजनों के साथ हैं। प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को शांति तथा घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

–भजनलाल शर्मा

संसदीय क्षेत्र कोटा–बून्दी में ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट के निर्माण के लिए चिन्हित भूमि का निरीक्षण किया।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप यहां विश्व स्तरीय एयरपोर्ट का निर्माण कार्य जल्द प्रारंभ होगा जो क्षेत्र की समृद्धि की संभावनाओं के नए द्वार खोलेगा।

–ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

काम और आराम का संतुलन

अमेरिका के प्रेसिडेंट काल्विन कूलिज कभी भी परेशानी, घबराहट और जल्दी में नहीं रहते थे। वे काम से कितने ही क्यों न घिरे होते, दिनभर में कुछ क्षण आराम के लिए निकाल ही लेते थे। वे कहा करते कि, 'जिंदगी के लिए घबराहट में कदापि न रहें, वह अपनी देखभाल खुद कर सकती है।' एक दिन काल्विन कूलिज अपने ऑफिस में बैठे कोई जरूरी काम निपटा रहे थे कि एकाएक उनकी तबीयत थोड़ा आराम करने की हुई। यह विचार मन में आते ही वे अपनी आरामकुर्सी पर लेट गए। लेटते ही उन्हें नींद आ गई। बड़े–बड़े लोग प्रेसिडेंट से मिलने के लिए बाहर खड़े इंतजार कर रहे थे, यह देखकर प्रेसिडेंट का नया सेक्रेटरी घबरा रहा था। वह चाह कर भी प्रेसिडेंट को नींद से जगाने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा था। थोड़ी देर बाद जब प्रेसिडेंट की आंख खुली तो उन्होंने सेक्रेटरी को घबराया हुआ पाया। उन्होंने सचिव का लटका हुआ चेहरा देखा तो पूछा, 'क्यों भाई, अमेरिका अपनी जगह पर तो है न?' मेरा ख्याल है, आपने अपने काम के क्षणों में कभी आराम करके जीवन में तरोताजा होना नहीं सीखा। माना कि काम की अहमियत बहुत ज्यादा है पर आराम की घड़ियों को कम करके नहीं आंका जा सकता।'

सामयिक

सीएए कानून : पीड़ितों को मिली भारत की आजादी

आचार्य विष्णु हरि
मोबाइल : 9315206123

बर्बर, हिंसक और अमानवीय देश पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में कत्लेआम, उत्पीड़न, अपमान और तिरस्कार के कारण जान बचा कर भागे और भारत में शरण लिये करोड़ो शरणार्थियों को भारत की आजादी मिल जायेगी, यानी की उन्हें भारत की नागरिकता मिल जायेगी। अकेले पश्चिम बंगाल में चार करोड़ ऐसे ही शरणार्थी हैं जिनकी पहचान मथुआ समाज पहचान की है। नागरिक संशोधन विधेयक अब पूरे देश में लागू हो गया। लागू करने की गृह मंत्रालय से अधिसूचना जारी हो गयी है। इसी के साथ कई झूठे, मनगंढत और विखंडन से भरी साजिशों का भी अंत हो गया। ममता बनर्जी की धमकियों का भी अंत हो गया, कांग्रेस सहित उन सभी राजनीतिक पार्टियों की फैलायी गयी अवधारणा भी ध्वस्त हो गयी। अब उन राज्यों को भी सीएए कानून लागू करने की बाध्यता होगी जो राज्य सरकारें भाजपा की विरोधी हैं, क्योंकि संसद में पारित कानूनों की मान्यता प्रदान करना और उसे लागू करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी और कर्तब्य होता है, इसमें राज्य सरकारें मनमानी नहीं कर सकती हैं।

इस विधेयक के लागू होने पर मुस्लिम छोड़कर हिन्दू, बौद्ध, सिख सहित वैसे धर्मो के लोगों में खुशियां उत्पन्न हुई हैं, कत्लेआम के शिकार थे, जिहादी मानसिकता के शिकार थे, तालिबानी मानसिकता के शिकार थे, अपमान और तिरस्कार के शिकार थें। खासकर मथुआ समाज ढोल की थाप पर नाच कर खुशियां मनाया है और मोदी को धन्यवाद दिया है। खुशियां क्यों नहीं मनाते ? आखिर उनके अपमान और तिरस्कार के दिन समाप्त जो होंगें। निश्चित तौर पर मुस्लिम देशों और खासकर पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान में ये पीड़ित थे, कत्लेआम के शिकार थे, समूल नाश के कगार पर खडे थे और ये सिर्फ व सिर्फ अपनी जान बचाने के लिए भाग कर भारत में आये थे और शरण प्राप्त किये थे। इन्हें नागरिकता की अनिवार्य जरूरत थी, नागरिकता विहीन होने के कारण उन्हें परेशानी झेलनी पडती थी, अपमान झेलना पडता था और समानता के अधिकार से वंचित होना पडता था। यही कारण है कि उनके अंदर विजयी होने का भाव है, उनके सपने साकार हुए हैं, सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि बार–बार पुलिस और प्रशासन की उत्पीड़िन से भी उन्हें मुक्ति मिलेगी, भारतीय नागरिकों के साथ ही साथ उन्हें भी मत देने का अधिकार मिलेगा, वे भी अपनी मनपंसद की पार्टी चून सकते हैं, मन पंसद सरकार बनवा सकते हैं, अपने प्रतिनिधि संसद और विधान सभाओ में भेज सकते हैं। मोदी से पूर्व की सभी सरकारों ने ऐसे मानवीय प्रश्नों पर उदासीनता पसारी थी, करोड़ों लोगों को मानवता के अधिकार से वंचित रखने का काम किया था, इसके पीछे उनकी मुस्लिम दृष्टिकोण वाली राजनीति ही थी।

झूठ, अफवाह, साजिश के सामने मोदी कभी झुकते ही नहीं है, आतंरिक विद्रोह उन्हें पंसद नहीं है, वे आतंरिक विद्रोहों को भी समय की मार से कुचल देते हैं, अप्रासांगिक कर देते हैं। बाहरी दबावों को तो वे पैरों से कुचलना जानते हैं। सीएए लागू करने की अपनी वीरता पर नरेन्द्र मोदी खुश क्यों नहीं होंगे? सीधे तौर पर यह नरेन्द्र मोदी की जीत है, नरेन्द्र मोदी की निडरता और दृढंता की पहचान है। यह निर्धारित हुआ कि नरेन्द्र मोदी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों और एजेंडों पर दृढ रहते हैं, अटल रहते हैं, अभियानी रहते हैं, साजिशों से डरते नहीं है, आतंरिक तेजाबी विरोध की परवाह करते नहीं हैं, बाहरी दबावों को जीत होने नहीं देते हैं, बाहरी दबावों को बेरहमी के साथ कुचलना जानते हैं। राजनीति में ऐसी वीरता किसी राजनीतिज्ञ में कैसे आती हैं? ऐसी राजनीतिक वीरता किसी राजनीतिज्ञ में तभी आती है जब उस पर जनता का विश्वास होता है, जनता उसके साथ खडी रहती हैं, जनता राष्टहित के कार्यक्रमों और नीतियों पर साथ खडी होती है और विधटनकारियों

की साजिशों, अफवाहों और जिहादी मानसिकताओं को खारिज करने के लिए अभियानी रास्ते पर चलती है। नरेन्द्र मोदी निश्चित तौर पर भाग्यशाली प्रधानमंत्री हैं जिनके साथ राष्ट की अवधारणा में विश्वास करने वाली और राष्टभक्ति के मार्ग पर अटल रहने वाली जनता समर्थन में खडी रहती है। इसका प्रमाण बार–बार मिलता है। बारह साल गुजरात में मुख्य मंत्री रहने की सफलता मोदी ने पायी और फिर 2014 के साथ ही साथ 2019 में भी प्रधानमंत्री के रूप में सफलता पायी। 2024 के लिए वे अभियानी मार्ग पर क्रियाशील हैं।

सीएए के खिलाफ विरोध नहीं बल्कि विद्रोह की स्थिति थी, यह विरोध–विद्रोह देश को गृह युद्ध में ढकलने, मुस्लिम देशों से भारत के खिलाफ आक्रमण करवाने की इच्छा भी पाली गयी थी, ईरान, सउदी अरब और कतर की मुस्लिम सरकारों को भारत के खिलाफ उकसाने के लिए अभियान चलाया गया, कहा गया कि भारत में मुस्लिम सुरक्षित नहीं है, मुस्लिमों का अस्तित्व नष्ट करने की भारत सरकार साजिश कर रही है, भारत एक सहिष्णुता वाला देश नहीं है, बल्कि भारत एक असहिष्णुता वाला देश बन गया है, नरेन्द्र मोदी संहारक है, इत्यादि–इत्यादि। पाकिस्तान, तुर्की और मलेशिया जैसे देश भारत के आंतरिक मामालों में हस्तक्षेप कर रहे थे और धमिकयां पिला रहे थे, डर दिखा रहे थे, मुस्लिम देशों का संगठन अलग से हस्तक्षेप राग बोल रहा था। अमेरिका–यूरोप भी इस मुस्लिम राग में शामिल हो गया था। फिर शाहिनबाग की हिंसा और विरोध की कहानियां कौन नहीं जानता है, सिर्फ शाहिनबाग दिल्ली में ही नही थी बल्कि देश के कोने–कोने में मुस्लिम कट्टरपंथियों ने शाहिनबाग बना दिया था। दंगे भी कराये गये। देश की राजधानी दिल्ली को भयंकर दंगे की आग में झोकने की कोशिश हुई, दर्जनों लोगों को मौत का घाट उतार दिया गया, हजारों करोडों की अचल संपतियों को आग के हवाले कर दिया गया, भारत को एक बार फिर तोडने और हिन्दुओं का संहार करने की कसमें खायी गयी। शाहरूख पठान ने सीधे तौर पर पुलिसकर्मियों पर पिस्तोल तानकर सनसनी फैलायी थी, जेएनयू के छात्र शरजील इस्लाम ने भारत को तोडने की अपील की थी। दिल्ली और अन्य जगहों पर हुए दंगों में पीएफआई की सीधे भूमिका थी, इस समय पीएफआई पर प्रतिबंध लागू है, उमर खालिक जैसे दर्जनों लोगों की देश विरोधी करतूतें आज भी न्यायिक परीक्षण के घेरे में कैद है। मुस्लिम नेता और विपक्ष यह चाहता था कि नरेन्द्र मोदी सरकार शाहिनबाग जैसे विद्रोह प्रदर्शनों का हिंसक समाधान करे, गोलियां चलाये और हत्याएं करे, ऐसा होने पर इनकी राजनीति खिलती और नरेन्द्र मोदी की सरकार पर विदेशी संकट खडा होता। पर नरेन्द्र मोदी की सरकार ने संयम नही खोयी, सिर्फ अवसर तलाशी, परिणाम अब सामने है।

मजहब के आधार पर पाकिस्तान बना, कभी अफगानिस्तान भी भारत का अंग था, अफगानिस्तान पर बौद्ध धर्म का आधिपत्य था, शांति और सदभाव के पक्षधर बौद्ध जिहाद के काल में समा गये और अफगानिस्तान पर मुस्लिम राज कायम हो गया। जब भारत का विभाजन हुआ तब आबादी का समाधान होना चाहिए था। दस लाख से अधिक हिन्दुओं का कत्लेआम हुआ, लाखों हिन्दुओं को मुस्लिम बनने के लिए बाध्य किया गया। बांग्लादेश के निर्माण में हिन्दुओं का बलिदान कौन नहीं जानता है, बांग्लादेश की मांग को दबाने के लिए पाकिस्तान ने मुस्लिम कार्ड खेला था और हिन्दुओं का कत्लेआम खेला था, हजारों हिन्दू महिलाओं के साथ बलात्कार किये गये थे। भारत ने सैनिक हस्तक्षेप कर बांग्लादेश बनाया था। आज उसी बांग्लादेश में हिन्दुओं का जीना हराम हो गया है, हिन्दुओं पर हिंसा और कत्लेआम आम हो गयी है। तस्लीमा नसरीन की पुस्तक लज्ञा इसका जीता जागता प्रमाण है। अफगानिस्तान में बहुत कम हिन्दू और सिख थे। तालिबान के फिर से सरकार में आने के बाद सभी भाग कर भारत आ गये। तालिबान ने हिन्दुओं और सिखों को अफगानिस्तान छोडने के लिए समय दिया था। ऐसे बर्बर और अमानवीय देश से जान बचा कर भागे हिन्दुओं और सिखों को नागरिकता देना न केवल सही है बल्कि मानवता को समृद्ध करने जैसे महान कार्य है।

सीएए को लागू करने के समय और राजनीतिक लाभ को लेकर प्रश्न उठे हैं। कहा यह जा रहा है कि चार साल से इस कानून को दबा कर क्यों बैठे थे, चुनाव के समय ही लागू क्यों किया गया? यह सही है कि यह चुनावी दृष्टिकोण ही है। ऐसे भी चुनावी दृष्टिकोण से ही सभी नीतियां लागू होती हैं, बनती ही है। क्या विपक्ष चुनावी राजनीति और रणनीति के तहत सीएए कानून पर विचार व्यक्त नहीं कर रहा है? विपक्ष का भी दृष्टिकोण चुनावी है। विपक्ष के विचार केन्द्र में मुस्लिम आबादी का वोट बैंक है, विपक्ष अनिवार्य रूप से मुस्लिम तुष्टीकरण कर रहा है, नरेन्द्र मोदी के खिलाफ मुस्लिम आबादी की गोलबंद करने की साजिश चल रही है। जहां तक राजनीतिक लाभ की बात है तो इसमें भाजपा को कोई ज्यादा लाभ मिलने वाला नहीं है, क्योंकि ऐसे शरणार्थी वर्ग पहले से ही भाजपा समर्थक रहे हैं। सिर्फ पश्चिम बंगाल में भाजपा को बडी सफलता मिलने की उम्मीद है क्योंकि चार करोड की संख्या बल रखने वाला मथुआ वर्ग अब भाजपा के पाले में जाने वाला है। इसी कारण ममता बनर्जी बौखलायी हुई है और ममता बनर्जी हिंसक बोल से सनसनी फैला रही है। असम में भाजपा को नुकसान भी उठाना पड सकता है। असम आंदोलन के निकले हुए लोग और गैर असमियां की मानसिकता से ग्रसित राजनीति दल और संगठन सीएए का विरोध कर रहे हैं। अब शाहीनबाग जैसी हिंसक प्रबृतियां खडी नहीं होने वाली है। अगर शाहीनबांग जैसी हिंसक प्रबृतियां खडी हुई तो फिर उसके फन भी नरेन्द्र मोदी कुचल देगी। सीएए कानून को दृढता के साथ लागू करना नरेन्द्र मोदी की नीति है। नरेन्द्र मोदी की सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि यह नागरिकता देने का कानून है। इसलिए मुस्लिम बर्ग का विरोध गैर कानूनी, गैर संवैधानिक और अमानवीय तथा हिंसक प्रबृतिया हैं। इसका लाभ अब मुस्लिम आबादी को मिलने वाला नहीं है, इसलिए मुस्लिब आबादी की भलाई अपने नेताओं और विपक्ष की साजिश से दूर रहने में ही हैं।

नजरिया

क्यों पड़ी भाजपा व जजपा गठबंधन में दरार ?

अशोक भाटिया

हरियाणा के लिए मंगलवार का दिन बदलाव की बड़ी बयार लेकर आया। सूबे में सरकार की तस्वीर बदल गई है तो साथ ही बदला है गठबंधनों का गणित भी। मनोहर लाल खट्टर की जगह सरकार की कमान अब नायब सिंह सैनी के हाथों में है। भारतीय जनता पार्टी और दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी का चार साल पुराना गठबंधन चुनावी साल में आकर टूट गया है। भाजपा –जजपा गठबंधन टूटने की खबर ऐसे समय में आई है जब पिछले कुछ दिनों से एक के बाद साथ छोड़कर जा चुके पुराने और नए सहयोगियों की एनडीए में एंट्री की खबरें आ रही थीं। बताया जाता है कि जननायक जनता पार्टी के साथ उसके गठबंधन में दरारें पिछले साल 10 लोकसभा सीटों के लिए संघर्ष के बीच दिखाई देने लगी थीं, जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने घोषणा की थी कि भाजपा उन सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी। हरियाणा के पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यन्त चौटाला के नेतृत्व वाली जजपा भी इसी तरह का दावा कर रही थी। यह किसी से छिपा नहीं था कि यह आपसी सुविधा का गठबंधन था, साझा विचारधारा का नहीं। जजपा का जन्म 2019 के विधानसभा चुनावों से पहले इंडियन नेशनल लोक दल में ऊर्ध्वाधर विभाजन के परिणामस्वरूप हुआ था। उसने 10 विधानसभा सीटें जीतकर खुद को किंगमेकर की भूमिका में पाया। जिस सदन में भाजपा के पास 40 सीटें थीं, उसकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस के पास 31, निर्दलीय सात, और इनेलो और हरियाणा लोकहित पार्टी के पास एक–एक सीट थी, वहां जजपा की स्थिति निर्णायक थी।

इस कवायद में सबसे ज्यादा नुकसान जजपा को हुआ है। नई नवेली पार्टी ने खुद को इनेलो के असली उत्तराधिकारी के रूप में पेश किया था और 10 सीटों के साथ भरपूर लाभ उठाया था। लेकिन अब खुद को सत्ता और निर्वाचन क्षेत्र दोनों के बिना महसूस कर रही है। गठबंधन का खत्म होना इनेलो के लिए भी अच्छा संकेत नहीं है, जो कभी हरियाणा में शासन करने वाली एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी थी। विडंबना यह है कि 2000 के विधानसभा चुनावों में 47 सीटों के साथ जीत हासिल करने के बाद इनेलो ने 1999 में भाजपा के साथ गठबंधन किया था। भाजपा का संदेश स्पष्ट और स्पष्ट है: कोई भी

मुख्यमंत्री हो सकता है, जीतने की क्षमता ही मायने रखती है। भाजपा की तरफ से यह बदलाव सिर्फ दिखावटी नहीं है। 55 वर्षीय कुरुक्षेत्र के सांसद नायब सैनी के रूप में हरियाणा को ओबीसी समुदाय से मुख्यमंत्री मिलता है। 2011 की जनगणना के अनुसार अन्य पिछड़ा वर्ग राज्य की आबादी का 40 प्रतिशत से अधिक है। जाट केवल 20–25 प्रतिशत हैं। भाजपा ने 2014 के चुनावों के दौरान भी इस गणित को ध्यान में रखा था, जब अतीत से हटकर, उसने करनाल से पहली बार विधायक और पंजाबी खत्री, खट्टर को उस राज्य में स्थापित किया, जिसे लोकप्रिय रूप से जाटलैंड कहा जाता था। कांग्रेस भी ओबीसी के प्रतिनिधित्व की कमी पर प्रकाश डाल रही है, जिसकी अगुवाई पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी कर रहे हैं। पिछले साल अप्रैल में कांग्रेस द्वारा ओबीसी उदय भान को राज्य पार्टी प्रमुख के रूप में नियुक्त करने के बाद, भाजपा ने भी नायब सैनी का अनुसरण किया। अब उन्हें शीर्ष पद पर पदोन्नत कर दिया गया। यह बड़ा विभाजन हिसार से भाजपा सांसद और राज्य के प्रसिद्ध किसान नेता सर छोटू राम के परपोते बृजेंद्र सिंह के जजपा पर मतभेदों के बाद कांग्रेस में शामिल होने के लिए पार्टी छोड़ने के कुछ दिनों बाद हुआ है। गुटबाजी से घिरी कांग्रेस को अब और मेहनत करनी होगी क्योंकि भाजपा उसके नए रूप का फायदा उठा रही है।

सत्ताधारी गठबंधन में टूट विपक्ष के लिए झटका कैसे है? इसे समझने के लिए हरियाणा के सामाजिक समीकरणों के साथ ही सियासी मिजाज की भी चर्चा करनी होगी। हरियाणा में करीब 25 फीसदी जाट आबादी है। हरियाणा की सत्ता के शीर्ष पर लंबे समय तक जाट चेहरे काबिज रहे हैं। चौटाला परिवार की इंडियन नेशनल लोक दल हो या भूपेंद्र सिंह हुड्डा के सहारे कांग्रेस पार्टी, दोनों ही दलों की राजनीति का आधार जाट ही रहे हैं। भाजपा ने 2014 के चुनाव में जीत के बाद जब गैर जाट मनोहर लाल खट्टर को सरकार की कमान सौंपी, तब इसे लेकर भी खूब हो–हल्ला भी हुआ। 2019 के चुनाव में भाजपा बहुमत के आंकड़े से छह सीट पीछे रह गई तो इसके पीछे भी गैर जाट सीएम और जाट आरक्षण को लेकर जाट वोटर्स की नाराजगी एक वजह बताई गई। 2024 के चुनाव से पहले भी जाट नाराज बताए जा रहे हैं। किसान आंदोलन के समय पंजाब के बाद हरियाणा दूसरा सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभरा था। किसान कुछ दिन पहले भी एमएसपी से संबंधित कानून की मांग को लेकर सड़क पर उतर आए थे। कांग्रेस को माहौल अपने मुफीद लग रहा था लेकिन अब तस्वीर बदल गई है।

भाजपा ने दुष्यंत चौटाला की पार्टी से गठबंधन तोड़ कर यह संदेश दे दिया है कि वह हरियाणा में गैर जाट राजनीति की उसी लाइन पर आगे बढ़ेगी जो उसने 2014 में खींची थी। पिछले कुछ समय से हरियाणा कांग्रेस जाट पॉलिटिक्स की पिच पर खुद को मजबूत करने में जुटी थी। चौधरी बीरेंद्र सिंह के बेटे और हिसार से भाजपा सांसद बृजेंद्र चौधरी के कांग्रेस में जाने को भी इन सबसे जोड़कर ही देखा जा रहा था। आईएनएलडी की जाट वोट बैंक पर पकड़ भी दुष्यंत के अलग पार्टी बना लेने के बाद कमजोर पड़ी है। भाजपा के साथ गठबंधन में रहते हुए जजपा को कहीं ना कहीं यह डर भी सता रहा था कि जाट वोट उससे छिटक न जाए। जजपा के नेता दुष्यंत के सामने भी यह चिंता जता रहे थे कि भाजपा के साथ होने से पार्टी को जाट समाज की नाराजगी झेलनी पड़ सकती है। चर्चा तो यह भी है कि गठबंधन तोड़ना कहीं दोनों दलों की सोची–समझी रणनीति तो नहीं? हरियाणा के वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप डबास इस तरह के कयासों को खारिज करते हुए कहते हैं कि अगर ऐसा होता तो जजपा में टूट की नौबत नहीं आती। भाजपा , जजपा के कई विधायकों के संपर्क में होने का दावा कर रही है। दुष्यंत ने दिल्ली में विधायक दल की बैठक बुलाई थी और जजपा के कई विधायक चंडीगढ़ में थे।

आईएनएलडी की पकड़ कमजोर होने, जजपा के भाजपा के साथ होने से कांग्रेस को जाट समाज से एकमुश्त समर्थन की उम्मीद थी। अब गठबंधन टूटने के बाद जजपा की रणनीति भी जाट वोटर्स के सामने खुद को एक विकल्प के रूप में पेश करने की होगी। जजपा अगर अपनी रणनीति में सफल रहती है और जाट वोट बैंक में सेंध लगा पाती है तो जाहिर है नुकसान कांग्रेस को को ही होगा। एंटी वोट बंटने का सीधा लाभ सत्ताधारी भाजपा को मिल सकता है। गौरतलब है कि दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने सीटें आपस में बांट लीं लेकिन पंजाब में दोनों अलग अलग लड़ रहे हैं। क्योंकि नहीं चाहते कि किसी तीसरे को एंट्री पंजाब की सियासत में मिले। क्या कुछ ऐसा ही फॉर्मूला हरियाणा का बना है ? जहां कहा जा रहा है कि दुष्यंत चौटाला की पार्टी से दूरी बनाना और अपनी ही पार्टी की सरकार के मुख्यमंत्री को बदलना। इसमें एक तीर से दो निशाने साधे गए हैं। एक निशाना सत्ता विरोधी हवा को कंट्रोल करना और दूसरा निशाना दुष्यंत चौटाला को अकेले मैदान में छोड़कर कांग्रेस के जाट वोट का हिस्सा अकेले पाने से रोकना। 2019 के लोकसभा चुनाव में एससी वोट का 58 फीसदी हिस्सा भाजपा के खाते में गया था जबकि कांग्रेस 25 फीसदी वोट हासिल कर सकी थी। वहीं मुस्लिम वोट का भाजपा 15 को प्रतिशत हिस्सा मिला जबकि कांग्रेस 76 फीसदी वोट मिले। वहीं जाट वोट का 39 फीसदी हिस्सा भाजपा के हिस्से में आया जबकि कांग्रेस 40 फीसदी वोट हासिल कर सकी थी। वहीं भाजपा के खाते में ओबीसी का 70 फीसदी वोट आया था जबकि कांग्रेस केवल 18 प्रतिशत ही हासिल कर सकी थी। वहीं सामान्य वर्ग से भाजपा को 69 फीसदी मिले थे जबकि और कांग्रेस 21 फीसदी वोट ही हासिल कर सकी।यानी मुस्लिम छोड़ इकलौता जाट वोट ही हरियाणा का ऐसा है, जिसमें भाजपा चालीस फीसदी से नीचे का हिस्सा पाती है। तो क्या इसी से जुड़ी कोई रणनीति अपनी ही गठबंधन सरकार को हिला डुलाकर, सीएम बदल कर भाजपा ने बनाया है ?

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रदर्शन

रांची में आदिवासियों ने बुधवार को रांची में बिरसा मुंडा स्मारक के सामने 'आक्रोश रैली' के दौरान मनी लॉन्ड्रिंग और भूमि घोटाला मामले में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की गिरफ्तारी पर प्रवर्तन निदेशालय के खिलाफ नारे लगाए।

बाइडन और ट्रंप ने जीते राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी के चुनाव, दोनों फिर होंगे आमने-सामने

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने डेमोक्रेटिक प्राइमरी चुनाव में, वहीं पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन प्राइमरी चुनाव में जीत हासिल कर अपने-अपने दलों की ओर से राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी की ओर कदम बढ़ा दिया है। राष्ट्रपति बाइडन (81) ने जॉर्जिया में पार्टी के प्राइमरी चुनाव में आसानी से जीत हासिल की और अब वह राष्ट्रपति चुनाव के लिए पार्टी के संभावित उम्मीदवार बन गए हैं। बाइडन को कुल 3,933 डेलीगेट (मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी सदस्य) में से आधे से अधिक का समर्थन मिल चुका है। डेमोक्रेट उम्मीदार बनने के लिए 1,968 डेलीगेट के समर्थन की जरूरत होती है।

बाइडन को अगस्त में शिकागो में 'डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन' के दौरान औपचारिक रूप से पार्टी का उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप (77) को अब तक 1,215 डेलिगेट का समर्थन मिल चुका है। ट्रंप को जुलाई में 'रिपब्लिकन नेशनल कन्वेंशन' में आधिकारिक तौर पर उम्मीदवार घोषित किया जाएगा। ट्रंप लगातार तीसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार होंगे।

पिछली बार की तरह इस बार भी दोनों का मुकाबला लंबे समय से प्रतीक्षित था, हालांकि ट्रंप इस बार अलग-अलग मुकदमों का सामना करते हुए चुनाव लड़ेंगे। ट्रंप 25 मार्च को न्यूयॉर्क में किसी आपराधिक मुकदमे का सामना करने वाले अमेरिका के पहले पूर्व राष्ट्रपति बन जाएंगे। इस मामले में ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने 'पॉर्न स्टार' को किए गए गुप्त भुगतान को छिपाने के लिए गलत तरीके से रिकॉर्ड में हेरफेर की। उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बाइडन के अपनी पार्टी का उम्मीदवार बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं बाइडन की ओर से एक बयान जारी कर जीत तथा उम्मीदवारी पर प्रसन्नता व्यक्त की गई और ट्रंप को लोकतंत्र के लिए खतरा करार दिया गया।

बाइडन ने कहा कि ट्रंप, आक्रोश, प्रतिशोध का अभियान चला रहे हैं जो अमेरिका के मूल विचार को खतरे में डालता है। मंगलवार को प्राइमरी चुनाव की पूर्व संध्या पर ट्रंप ने स्वीकार किया था कि बाइडन ही उनके सामने डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार होंगे। रिपब्लिकन प्राइमरी में जीत के बाद ट्रंप के प्रचार विभाग ने उनका एक वीडियो 'एक्स' पर पोस्ट किया। ट्रंप ने वीडियो में कहा, यह एक बड़ी जीत है। अब हमें वापस काम में जुट जाना होगा क्योंकि हमारे पास देश के इतिहास में सबसे खराब राष्ट्रपति हैं। उनका नाम जो बाइडन है, जिन्हें कभी-कभी कुटिल जो बाइडन भी कहा जाता है, और उन्हें हराना ही होगा।

भारत के साथ सीमा का मुद्दा संपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का प्रतिनिधित्व नहीं करता : चीन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीजिंग। चीन ने बुधवार को कहा कि चीन-भारत सीमा मुद्दा संपूर्ण द्विपक्षीय संबंधों का प्रतिनिधित्व नहीं करता है। इसने गलतफहमी एवं गलत निर्णय से बचने के लिए दोनों देशों के बीच आपसी विश्वास बढ़ाने का आह्वान किया। भारत कहता रहा है कि जब तक सीमावर्ती इलाकों में शांति नहीं होगी तब तक चीन के साथ उसके संबंध सामान्य नहीं हो सकते।

जून 2020 में गलवान घाटी में हुई भीषण झड़प के बाद द्विपक्षीय संबंध बहुत ही खराब हुए थे। गलवान का संघर्ष पिछले चार दशकों से अधिक समय में दोनों पक्षों के बीच सबसे गंभीर सैन्य संघर्ष था। इस सप्ताह विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने टिप्पणी की थी कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सैनिकों के जमावड़े से हमारा कोई फायदा नहीं हुआ। इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने कहा कि सीमा मुद्दे को द्विपक्षीय संबंधों में उचित रूप से रखा जाना चाहिए। जयशंकर ने सोमवार को 'एक्सप्रेस अड्डा' पर एक चीनी राजनयिक के सवाल का जवाब देते हुए कहा था, मुझे लगता है कि यह हमारे साझा हित में है कि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर इतनी अधिक सेना नहीं होनी चाहिए। जयशंकर ने कहा था, यह हमारे साझा हित में है कि हम उन समझौतों का पालन करें, जिन पर हमने हस्ताक्षर किए हैं और मेरा मानना है कि यह न सिर्फ हमारे, बल्कि चीन के भी साझा हित में है।

उन्होंने कहा था, पिछले चार वर्षों से हमने जो तनाव देखा है, उससे हम दोनों को कोई फायदा नहीं हुआ है। वांग ने अपने जवाब में कहा कि भारत और चीन का मानना है कि दोनों देशों की सीमा पर स्थिति का शीघ्र समाधान दोनों के साझा हित में है। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि दोनों पक्ष नेताओं के बीच आम समझ और राजनयिक तथा सैन्य माध्यम से संचार बनाए रखते हुए प्रासंगिक समझौतों की भावना का पालन करेंगे और प्रासंगिक सीमा मुद्दों का समाधान ढूंढेंगे, जिसे दोनों पक्षों द्वारा शीघ्र स्वीकार किया जा सके। वांग ने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत हमारे साथ समान दिशा में काम करेगा और द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक ऊंचाई तथा दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखेगा। जब यह बताया गया कि जयशंकर की टिप्पणियों में पूर्वी लद्दाख में वर्तमान गतिरोध के समाधान का जिक्र है, जहां दोनों देशों ने हजारों सैनिकों को तैनात किया है, जबकि चीन ने समग्र सीमा मुद्दे का जिक्र किया है, तो वांग ने कहा दोनों चीजें स्वाभाविक तौर पर एक जैसी हैं।

उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि भारत हमारे साथ काम करेगा और दोनों नेताओं के बीच बनी आम सहमति तथा समझौतों की भावना का पालन करेगा तथा सीमा मुद्दे का जल्द से जल्द समाधान खोजने के लिए संचार कायम रखेगा। पूर्वी लद्दाख में कुछ जगहों पर भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच गतिरोध बना हुआ है, जबकि दोनों पक्षों ने व्यापक राजनयिक और सैन्य वार्ता के बाद कई क्षेत्रों से सैनिकों की वापसी पूरी कर ली है। पैंगोंग झील क्षेत्र में हिंसक झड़प के बाद पांच मई, 2020 को पूर्वी लद्दाख सीमा पर गतिरोध पैदा हो गया था। पूर्वी लद्दाख गतिरोध के परिणामस्वरूप व्यापार को छोड़कर सभी मोर्चों पर द्विपक्षीय संबंध थम गए हैं।

भेंट

कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बुधवार को धुले में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान एक सार्वजनिक बैठक में स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

बांग्ला फिल्मों में फिर से नजर आएंगे महानायक उत्तम कुमार

कोलकाता। बंगाल के सदाबहार अभिनेता उत्तम कुमार के निधन के चार दशक फिर एक बांग्ला फिल्म में दिखाई देंगे। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक श्रीजीत मुखर्जी ने दृश्यात्मक प्रभाव (वीएफएक्स) और कृत्रिम मेधा (एआई) के माध्यम से उत्तम कुमार को रूपहले पर्दे पर जीवंत करेंगे। 'अति उत्तम' फिल्म में अनिद्य सेनगुप्ता, रोशनी भट्टाचार्य और गौरव चटर्जी के अलावा उत्तम कुमार की एआई-सृजित तस्वीरें भी हैं। इन छवियों को उत्तम कुमार की फिल्मों के उपलब्ध फुटेज से ली गयी है।

निर्देशक मुखर्जी ने 'अति उत्तम' फिल्म के माध्यम से उत्तम कुमार को श्रद्धांजलि दी है। उत्तम कुमार अपने लाखों प्रशंसकों के बीच महानायक के नाम से मशहूर हैं। मुखर्जी ने अति उत्तम फिल्म को अपने प्रेम का श्रम कहा है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि इस फिल्म को बनाने मे उन्हें छह साल लग गए।

उन्होंने 'एक्स' पर किये गये एक पोस्ट में कहा, अति उत्तम एक ऐसी फिल्म है जिसे बनने में छह साल लग गए। इस यात्रा के दौरान वैश्विक महामारी और कृत्रिम मेधा का विकास देखा गया। यह हमारे प्रेम का श्रम है। हमारी महत्वाकांक्षी परियोजना है। यह इतिहास में अपनी तरह की पहली फिल्म है। अति उत्तम। एक फिल्म प्रोडक्शन हाउस के प्रवक्ता ने कहा कि मुखर्जी ने इस फिल्म को बनाने के लिए वर्षों तक शोध किया, 60 से अधिक फिल्में बार-बार देखीं और प्रत्येक शॉट को सही करने के लिए वीएफएक्स विशेषज्ञों से बात भी की।

अति उत्तम फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया है, जिसमें फिल्म की कहानी दो पात्रों कृष्णेंदु और सोहिनी के इर्द-गिर्द घूमती है। उत्तम कुमार की असल जिंदगी में उनके पोते और युवा अभिनेता गौरब चटर्जी ने इस फिल्म में भी उनके पौत्र की ही भूमिका निभाई है। यह फिल्म सिनेमा घरों में 22 मार्च को प्रदर्शित होगी। उत्तम कुमार को देश के अग्रणी अभिनेताओं में से एक माना जाता है।

'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' में शिरकत करेंगे अनूप जलोटा और उर्जी जावेद

मुंबई/एजेन्सी

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के शो 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' में भजन सम्राट अनूप जलोटा के साथ इंटरनेट सनसनी और फैशन प्रभावकार उर्फी जावेद शिरकत करेंगे। इस शनिवार, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे' में अनूप जलोटा के साथ उर्फी जावेद का स्वागत किया जाएगा, जहां कॉमेडी-मीट-फैशन-मीट-म्यूजिक होगा। अपने 'एनिमल स्पूफ' के साथ मंच का संचालन करते हुए, कॉमेडियन केतन सिंह, कुशल बद्रीके और गौरव दुबे फिल्म के किरदारों और संवादों को सबसे मजेदार ढंग से पेश करेंगे। साथ ही सभी कॉमेडियन अपनी कॉमिक टाइमिंग के साथ सभी को खूब हसाएंगे केतन सिंह ने कहा,एनिमल स्पूफ के पहले भाग को पहले एपिसोड में खूब सराहा गया था, और हमें विश्वास है कि भाग 2 एक बार फिर दर्शकों का दिल जीत लेगा और आपको जमकर हंसाएगा। जहां हमें किरदारों को चित्रित करने में बहुत मज़ा आया, हास्य का समावेश करते हुए फिल्म के सार को बनाए रखना काफी मांग वाला था। उर्फी जावेद और अनूप जलोटा के सामने परफॉर्म करना एक सुखद अनुभव था, क्योंकि उन्होंने परफॉर्म का भरपूर आनंद लिया। मैं इस एक्ट पर दर्शकों की प्रतिक्रिया का बेसब्री से इंतजार कर रहा हूं। कुशल बद्रीके ने कहा,एक कलाकार के रूप में, हमारे लिए सबसे बड़ी मान्यता हमारे दर्शकों से मिलती है और हमें उम्मीद है कि इस शो के साथ, दर्शक हमारे साथ जुड़ सकते हैं और हमारे विविध कृत्यों का आनंद ले सकते हैं। हम यह जानकर बहुत उत्साहित थे कि हमारे 'एनिमल स्पूफ' भाग को दर्शकों ने खूब सराहा, और मुझे उम्मीद है कि भाग 2 को भी उतना ही प्यार और सराहना मिलेगी। 'मैडनेस मचाएंगे - इंडिया को हंसाएंगे', इस शनिवार रात 9:30 बजे, सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर प्रसारित होगा।

एड शीरन ने की आयुष्मान खुराना से मुलाकात, अरमान मलिक के साथ 'बुट्टा बोम्मा' गाने पर किया नृत्य

मुंबई। ब्रिटेन के प्रख्यात गायक एवं सगीतकार एडवर्ड क्रिस्टोफर शीरन ने शनिवार को मुंबई में अपने संगीत समारोह से पहले अभिनेता आयुष्मान खुराना और संगीतकार अरमान मलिक से मुलाकात की। मुंबई के महालक्ष्मी रेस कोर्स मैदान में 33 वर्षीय गायक का संगीत कार्यक्रम है। वह इस सप्ताह के शुरुआत दिनों में मुंबई पहुंच गए थे। इस दौरान उन्होंने एक विद्यालय में छोटे बच्चों के लिए एक संगीत बजाया।

खुराना ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पेज पर शीरन के साथ एक पोलरॉइड तस्वीर साझा की। अभिनेता ने उनकी फोटो साझा करते हुए लिखा, एड के साथ बिताए गए मेरे समय की एक पोलेरॉइड तस्वी। आपसे मिलकर बहुत अच्छा लगा। मलिक ने भी शीरन से मुलाकात की और बुधवार को 'शेप ऑफ यू' गायक के साथ एक वीडियो भी पोस्ट किया। मलिक द्वारा पोस्ट किये गये वीडियो में दोनों अभिनेता अल्लू अर्जुन की 2020 की फिल्म अला वैकुंठपुरमलो के बुट्टा बोम्मा गाने पर नाच रहे हैं।

'भूल भुलैया 3' के लिए कार्तिक को मिले 35 करोड़

मुंबई/एजेन्सी

तृप्ति डिमरी को फिल्म एनिमल से काफी सक्सेस मिली है। इस फिल्म के बाद तो उन्हें नेशनल क्रश तक का टैग भी मिला है। अब तो तृप्ति फिल्म भूल भुलैया 3 में भी नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वह कार्तिक आर्यन के साथ नजर आएंगी। ऐसा कहा जा रहा था कि भूल भुलैया 3 के लिए तृप्ति अच्छी खासी फीस ले रही हैं। उन्होंने अपनी फीस बढ़ा दी हैं। अब जानें क्या सच में तृप्ति ने अपनी फीस डबल कर दी हैं। बॉलीवुड लाइफ की रिपोर्ट के मुताबिक एलिमल के बाद तृप्ति के ना सिर्फ इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स तेजी से बढ़े हैं। इतनी तारीफ और सोशल मीडिया सेंसेशन बनने के बाद तृप्ति ने अपनी फीस डबल कर दी हैं। इसकी एक वजह यह भी है कि वह फिल्म में पूरा किरदार निभा रही हैं ना कि एनिमल की तरह छोटा रोल।

रिपोर्ट्स के मुताबिक भूल भुलैया 3 के मेकर्स भी तृप्ति को उनके हिसाब से पैसा देने के लिए तैयार हैं। वहीं कहा जा रहा है कि तृप्ति अभी एक समय में एक ही फिल्म करना चाहती हैं। वह फिलहाल काम को लेकर ज्यादा जल्दबाजी नहीं करना चाहती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबित तृप्ति ने संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म एनिमल में अपने किरदार के लिए 40 लाख रुपये लिए थे। वहीं अब वह 80 लाख रुपये लेंगी। वहीं कार्तिक आर्यन की बात करें तो वह 35-50 करोड़ रुपये चार्ज कर रहे हैं। बता दें कि इससे पहले भूल भुलैया 2 की सक्सेस पर फिल्म के प्रोड्यूसर भूषण कुमार ने उन्हें 4.7 करोड़ की लग्जरी गाड़ी गिफ्ट की थी। फिल्म भूल भुलैया 3 की बात करें तो इसमें तृप्ति, कार्तिक के अलावा विद्या बालन और माधुरी दीक्षित लीड रोल में होंगी। ऐसा कहा जा रहा है कि विद्या और माधुरी फिल्म में भूत का किरदार निभाएंगी।

वैश्विक स्तर पर 100 करोड़ के नजदीक पहुंची 'शैतान'

मुंबई/एजेन्सी

अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म 'शैतान' 8 मार्च को थिएटर्स में रिलीज हुई है और पहले दिन से ही हर रोज रिकॉर्ड तोड़ कलेक्शन कर रही है। 'शैतान' ने सिनेमाघरों में लोगों को अपना कायल कर लिया है। फिल्म न सिर्फ घरेलू दर्शकों को अपितु विदेशी दर्शकों को भी काफी पसंद आ रही है और ऐसे में ना सिर्फ छुट्टी वाले दिन बल्कि वर्किंग डेज में भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर काफी अच्छी कमाई कर रही है। 'शैतान' ने दुनिया भर के दर्शकों पर अपना जादू कर दिया है।

फिल्म का कारोबार 5 दिनों में ही 100 करोड़ करीब पहुंच गया है। गौरतलब है कि शैतान ने वैश्विक स्तर पर पहले दिन 22.5 करोड़, दूसरे दिन 25.4 करोड़ रुपए और तीसरे दिन 27.1 करोड़ रुपए का कारोबार किया था। पहले वीकेंड में फिल्म ने कुल मिलाकर 75 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था।

चौथे दिन फिल्म का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 13 करोड़ रुपए रहा था और अब पांचवे दिन भी फिल्म ने 8 करोड़ रुपए की कमाई की है। अजय देवगन और आर माधवन स्टारर फिल्म 'शैतान' ने 5 दिनों में कुल 96 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। इसी के साथ फिल्म 100 करोड़ क्लब में शामिल होने के बेहद नजदीक पहुंच गई है। 'शैतान' एक थ्रिलर-एक्शन फिल्म है जिसमें आर माधवन 'शैतान' बनकर अजय देवगन की फैमिली को डराते नजर आए हैं। फिल्म में अजय देवगन कबीर के किरदार में दिखाई दिए हैं जो अपने परिवार के साथ फार्म हाउस पर छुट्टियाँ बिताने के लिए निकलता है। इस दौरान राह चलते एक अजनबी शख्स से उसकी दोस्ती हो जाती है और वह उसे अपने फार्म हाउस पर पनाह दे देता है। बाद में अजनबी शख्स कबीर की बेटी को अपने वश में कर लेता है।

विकास कार्य

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बुधवार को रायसेन जिले के मंडीदीप में विकास कार्यों का शिलान्यास करते हुए।

भारत सरकार

विश्वकर्मा भाई-बहनों का सम्मान और समृद्धि मोदी सरकार की गारंटी

इस योजना का उद्देश्य न केवल इन कारीगरों और शिल्पकारों की समृद्ध परंपरा को संरक्षित करना है, बल्कि इसे और अधिक विकसित करना भी है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

पी एम विश्वकर्मा

योजना के लाभ

- पी एम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र
- स्किल अपग्रेडेशन के लिए ट्रेनिंग और ₹ 500 प्रतिदिन स्टाइपेंड
- ₹ 15 हजार तक की टूलकिट
- विश्वकर्मा भाई-बहनों को ₹ 3 लाख तक बिना गारंटी ऋण
- डिजिटल लेन-देन के लिए प्रोत्साहन
- उत्पादों के लिए क्वालिटी सर्टिफ़िकेशन, ब्रांडिंग और विज्ञापन जैसी मार्केटिंग सहायता

18 प्रकार के पारंपरिक व्यवसायों में संलग्न कारीगर एवं शिल्पकार

सुथार/बढ़ई | नाव निर्माता | अस्त्रकार | लोहे का काम करने वाले | टोकरी/चटाई/झाड़ू बनाने वाले/कॅयर बुनकर | गुड़िया और खिलौना निर्माता (पारंपरिक) | सुनार | कुम्हार | जूते बनाने वाले | हथौड़ा और टूलकिट निर्माता | ताला बनाने वाले | मूर्तिकार, पत्थर तराशने वाले, पत्थर तोड़ने वाले | राजमिस्त्री | बाल काटने वाले | मालाकार | कपडे धोने वाले | दर्जी | मछली पकड़ने का जाल बनाने वाले |

cbc 25101/13/0010/2324

विश्वकर्मा भाई-बहन स्कीम में आवेदन के लिए आज ही अपने नज़दीकी **जन सेवा केंद्र** जाएं

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.